वर्ष-15, अंक-139
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

अगर भगवान से माँग रहे हो तो हल्का बोझ मत माँगो, मजबूत कंधे माँगो

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
इंदौर, शनिवार 24 अगस्त 2024

एमपी में बनेंगे चार श्रीकृष्ण तीर्थःभगवान को शिक्षा, सुदामा और सुदर्शन चक्र मिलने की चार कहानियां

भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े चार स्थान तीर्थ स्थल के रूप में करेंगे विकसित

भोपाल। मध्यप्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े चार स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इनमें उज्जैन का सांदीपनि आश्रम, उज्जैन का ही नारायण धाम, धार जिले का अमझेरा धाम मंदिर और इंदौर के महू में भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव शामिल हैं ।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को कहा- सरकार इस बार जन्माष्टमी के पर्व को विशेष तौर पर मनाने जा रही है। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम से प्रेरित और पावन भूमि है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- यह मध्य प्रदेश का सौभाग्य है, जहां नारायण धाम है। ये वो स्थान है, जहां भगवान कृष्ण की सुदामा से मित्रता हुई। यानी गरीबी और अमीरी की मित्रता का सबसे श्रेष्ठ स्थान है। सीएम ने कहा कि जन्माष्टमी पर हर जिले में मंदिरों की साफ-सफाई और सांस्कृतिक कार्यकम होंगे। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा, मित्रता के प्रसंग और जीवन दर्शन के साथ भारतीय सांस्कृतिक परम्पराओं, योग आदि पर आधारित विभिन्न विषयों पर विद्वानों के व्याख्यान व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। सरकारी, निजी स्कूल, कॉलेज में भी कार्यक्रम होंगे।

इन चारों स्थानों पर रहेगा फोकस

उज्जैन के दो स्थान

सांदीपनि आश्रम में गोमती कुंड नाम का तालाब भी है, जिसमें भगवान कृष्ण ने पवित्र केंद्रों से पवित्र जल इकट्ठा किया था, ताकि गुरु सांदीपनि को पवित्र जल प्राप्त करने में आसानी हो। इस तालाब का पानी पवित्र माना जाता है। यहां आने वाले भक्त तालाब का पानी घर ले जाते हैं। इसी तरह नारायण धाम उज्जैन जिले की महिदपुर तहसील से करीब 9 किमी दूर है। यह श्रीकृष्ण मंदिर है। यह दुनिया का एकमात्र मंदिर है, जिसमें श्रीकृष्ण अपने मित्र सुदामा के साथ विराजते हैं। नारायण धाम मंदिर में कृष्ण-सुदामा की अटूट मित्रता को पेड़ों के प्रमाण के तौर में भी देख सकते हैं। कहा जाता है कि नारायण धाम ये पेड़ उन्हीं लकड़ियों से फले-फूले हैं, जो श्रीकृष्ण व सुदामा ने एकत्रित की थीं।

अमझेरा धाम, धारः श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी का हरण किया

मान्यता है कि द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने जिस स्थान से माता रुक्मिणी का हरण किया था, वो अमका-झमका मंदिर धार जिले के अमझेरा में स्थित है। यह मंदिर 7000 साल पुराना है। स्थानीय लोगों के मुताबिक यह मंदिर रुक्मिणी जी की कुलदेवी का था। वो यहां पूजा करने आया करती थी। सन् 1720- 40 में इस मंदिर का राजा लाल सिंह ने जीर्णोद्धार करवाया था। पौराणिक युग में इस स्थान को कुन्दनपुर के नाम से जाना जाता था। रुक्मिणि वहीं के राजा की पुत्री थीं। उसके बाद मंदिर के नाम से जगह को अमझेरा नाम दिया गया।

जानापाव, इंदौरः परशुराम ने श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र दिया

मान्यता है कि जानापाव भगवान परशुराम की जन्मस्थली है। यह इंदौर के महू के पास स्थित है। जहां विनम्रता और श्रद्धा से परशुराम जी से सुदर्शन चक्र भगवान श्री कृष्ण ने प्राप्त किया था। जानापाव वो स्थान है, जहां कहा जाता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण 12-13 साल थे, तब परशुराम से मिलने उनकी जन्मस्थली जानापाव (इंदौर) गए थे। वहां परशुराम ने कृष्ण को उपहार में सुदर्शन चक्र दिया। शिव ने यह चक्र त्रिपुरासुर वध के लिए बनाया था और विष्णुजी को दे दिया था। कृष्ण के पास आने के बाद यह उनके पास ही रहा।

कुछ स्थानों पर बिजली गिरने के साथ ही जोरदार हवा चलने और बारिश की संभावना

झमाझम से तरबतर हुआ मप्र, 40 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी

भोपाल। मध्यप्रदेश में एक बार फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। इस दौरान भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम और रतलाम समेत प्रदेश के कई जिलों में गुरुवार रात से ही बारिश हो रही है। इसके अलावा अगले 24 घंटों के लिए मौसम विभाग ने छिंदवाड़ा और सिवनी जिले में भारी से अतिभारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, इस दौरान यहां अनेक स्थानों पर बिजली गिरने और झंझावात के साथ 115.6 से 204.4 मिली मीटर बारिश हो सकती है। साथ ही विभाग ने 40 जिलों के लिए भी बारिश का येलो अलर्ट जारी करते हुए जोरदार बारिश का पूवार्नुमान लगाया है। शुक्रवार सुबह तक पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के चंबल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं, नर्मदापुरम, ग्वालियर, जबलपुर और शहडोल संभागों के जिलों में अनेक स्थानों पर, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, रीवा, सागर संभागों के जिलों में अधिकांश स्थानों पर वर्षा दर्ज की गई। इनके अलावा अन्य शेष सभी संभागों के जिलों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। शुक्रवार सुबह तक प्रदेश में सबसे ज्यादा बारिश बिछुआ में 175 मिलीमीटर, घंसौर में 166 मिलीमीटर, कन्नौद में 119 मिलीमीटर, मोहन बड़ोदिया में 99 मिलमीटर और कुरई में 95 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। इन स्थानों के अलावा अन्य स्थानों पर इससे कम ही बारिश हुई। इस दौरान प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस ग्वालियर में दर्ज किया गया तथा सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस पचमढ़ी (नर्मदापुरम) में दर्ज किया गया।

इन 40 जिलों में जोरदार बारिश का अलर्टमौसम विभाग ने शनिवार सुबह तक के लिए प्रदेश के 40 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान विदिशा, सीहोर, राजगढ़, बैतूल, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, सतना, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, मैहर, पांढुर्णा जिलों में कुछ स्थानों पर बिजली गिरने और तेज हवा चलने के साथ ही 64.5 मिलीमीटर से 115.5 मिलीमीटर तक बारिश हो सकती है।

यहां गिर सकती है बिजली इसके अलावा भोपाल, रायसेन, नर्मदापुरम, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, रीवा, मऊगंज, निवाड़ी जिलों में कुछ स्थानों पर बिजली गिरने के साथ ही जोरदार हवाएं चलने और बारिश होने की उम्मीद विभाग ने जताई है।

इन स्थानों पर आ सकती है मध्यम बाढ़ अगले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के गुना, आगर, शिवपुरी, श्योपुरकलां, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, शहडोल, दक्षिणी सीधी, अनूपपुर, डिंडोरी, दक्षिणी सिवनी, दक्षिणी बालाघाट, छिंदवाड़ा, दक्षिणी सिंगरौली जिलों में कुछ स्थानों पर मध्यम बाढ़ का खतरा है, और अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, खरगोन, खंडवा, हरदा, धार जिलों में हल्की बाढ़ से खतरा होने की संभावना है।

ऐसी है मॉनसून ट्रफ की स्थिति मॉनसून ट्रप वर्तमान में बीकानेर, सीकर, उरई, चुर्क, देहरी, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर झारखंड पर बने निम्न दाब क्षेत्र के केंद्र और फिर दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक माध्य समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर की ऊंचाई तक विस्तृत है। शुक्रवार सुबह 8.30 बजे उत्तरी पश्चिम बंगाल और संलग्न पूर्वोत्तर झारखंड के ऊपर निम्न दाब क्षेत्र बना हुआ है। इससे सम्बन्धित चक्रवातीय परिसंचरण माध्य समुद्र तल से 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई तक सक्रिय है। शुक्रवार सुबह 8.30 बजे महाराष्ट्र तट से संलग्न पूर्वी-मध्य अरब सागर के ऊपर अन्य निम्न दाब क्षेत्र बना हुआ है, इससे सम्बन्धित चक्रवातीय परिसंचरण माध्य समुद्र तल से 3.1 किलोमीटर की ऊंचाई तक दक्षिण-पश्चिम की ओर झुकाव के साथ सक्रिय है। उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय है। महाराष्ट्र तट से संलग्न पूर्वी-मध्य अरब सागर के ऊपर बने निम्न दबाव क्षेत्र से लेकर उत्तरी केरल तट तक एक अपतटीय ट्रफ बना हुआ है। वर्तमान में पश्चिमी विक्षोभ मध्य क्षोभमंडल की पछुआ पवनों के मध्य एक ट्रफ के रूप में माध्य समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर 70 डिग्री पूर्व देशांतर के सहारे 30 डिग्री उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है।

यह है मौसम विभाग के कलर कोड का मतलब कटऊ यानी मौसम विभाग मौसम की चेतावनियों के लिए रंग-कोड का उपयोग करता है, जिससे संभावित मौसम की घटनाओं की गंभीरता को दशार्या जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य संबंधित अधिकारियों और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को मौसम के संभावित प्रभाव के बारे में पहले से ही सचेत करना है, जिससे वह आपदा जोखिम कम से कम करने के लिए संबंधित आवश्यक कार्रवाई के लिए तैयार रहें। इन कलर कोड्स के अनुसान ग्रीन अलर्ट का अर्थ है कि किसी सलाह की आवश्यकता नहीं है। येलो अलर्ट खराब मौसम और स्थिति के बिगड़ने की संभावना को दशार्ता है, जिससे जन-जीवन प्रभावित हो सकता है। ऑरेंज अलर्ट का अर्थ है संभावित बिजली कटौती और परिवहन, रेल, सड़क तथा हवाई यात्रा में संभावित व्यवधान के लिए तैयार रहें।

स्कूलों-कॉलेजों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को शिक्षा का धर्मांतरण बताने पर सीएम का कांग्रेस पर पलटवार

भगवान कृष्ण की वीरता के प्रतीक स्थानों को सामने लाने में क्या गलत है?

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी स्कूलों और कॉलेजों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाने के आदेश दिए हैं। मोहन सरकार के इस आदेश पर अब सियासत तेज हो गई है। सरकार के इस आदेश को कांग्रेस ने शिक्षा का धर्मांतरण बताया है। तो वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उसका जवाब दिया है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि भगवान कृष्ण ने 5 हजार साल पहले शिक्षा की महत्ता बताई थी। भगवान कृष्ण मथुरा से उज्जैन शिक्षा ग्रहण करने आए थे। इससे अच्छा सौभाग्यशाली समय कब रहेगा? गरीब-अमीर की दोस्ती का सबसे बड़ा उदाहरण नारायण धाम पर कृष्ण-सुदामा की दोस्ती है। भगवान कृष्ण की वीरता के प्रतीक के स्थान को सामने लाने में क्या गलत है? उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान कृष्ण के स्थानों को स्मरण नहीं करेंगे तो फिर मथुरा को क्यों स्मरण करते हैं? मथुरा में जन्माष्टमी धूमधाम से मनाने पर कांग्रेस के लोग मथुरा जाना छोड़ देंगे? यह अश्रद्धा करना है, अटपटी बातें करना है।

इमरान प्रतापगढ़ी के पोस्ट पर मोहन यादव का पलटवार

छतरपुर मामले में इमरान प्रतापगढ़ी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट पर सीएम यादव ने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वालों के लिए कानून अपना रास्ता बनाएगा। सरकार समाज के काम में मददगार रहती है और असामाजिक तत्वों से निपटने में सक्षम है।

भारत ने कतर के समक्ष उठाया गुरु ग्रंथ साहिब की प्रतियां जब्त करने का मुद्दा

नई दिल्ली। भारत ने गुरु ग्रंथ साहिब की प्रतियां जब्त किए जाने का मुद्दा कतर के समक्ष उठाया है और इस मामले को उच्च प्राथमिकता दी जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने कतर के अधिकारियों द्वारा जब्त किए गए गुरु ग्रंथ साहिब और सिख समुदाय द्वारा उन्हें वापस करने की मांग के बारे में खबरें देखी हैं उन्होंने कहा कि सरकार ने कतर के समक्ष पहले ही इस मामले को उठाया है और दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने वहां सिख समुदाय को घटनाक्रम से अवगत कराया है। इस मुद्दे पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए जायसवाल ने कहा, कतर के अधिकारियों ने दो व्यक्तियों/समूहों से गुरु ग्रंथ साहिब के दो स्वरूप जब्त किए थे, जिन पर कतर सरकार की मंजूरी के बिना धार्मिक प्रतिष्ठान चलाने का आरोप लगाया गया था। उन्होंने कहा, हमारे दूतावास ने स्थानीय कानूनों और नियमों के दायरे में हरसंभव सहायता प्रदान की है। जायसवाल ने कहा, पवित्र ग्रंथ के एक स्वरूप को कतर के अधिकारियों ने वापस कर दिया और यह आश्वासन दिया गया कि दूसरे स्वरूप को भी सम्मान के साथ रखा जाएगा। हम मुद्दे के शीघ्र समाधान की आशा करते हैं। इससे पहले पूर्व केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री और बठिंडा से वर्तमान सांसद हरसिमरत कौर बादल ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर कतर में पुलिस हिरासत से श्री गुरु ग्रंथ साहिब के दो स्वरूपों की रिहाई का मुद्दा उठाने का अनुरोध किया है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के बच्चों को सरकार देगी स्किल एजुकेशन

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सल प्रभावित और आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा और कौशल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। राज्य के सरकारी स्कूलों में स्किल एजुकेशन को शामिल करने के उद्देश्य से, छत्तीसगढ़ सरकार ने मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के साथ एक तीन साल की साझेदारी की है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचा 2023 के अनुरूप है, और इसका उद्देश्य छात्रों को आवश्यक स्किल्स और शिक्षा प्रदान करना है। राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस पहल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नियद नेल्लानार योजना की शुरूआत की है, जिसका अर्थ है आपका अच्छा गांव। इस योजना के तहत, कैंपों के निकट पांच किलोमीटर की परिधि में बसे गांवों में 17 विभागों की 53 हितग्राही योजनाओं और 28 सामुदायिक सुविधाओं का लाभ दिया जा रहा है। इन गांवों में पहली बार लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं, जिससे वे शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं का लाभ उठा पा रहे हैं। अब यहां के बच्चे समय की जरूरतों को देखते हुए स्किल एजुकेशन के माध्यम से नई विधाओं का ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं।

मेडिकल कॉलेजों के दीक्षांत समारोह में दिखेगी भारतीय वेशभूषा

बदला जा रहा है ब्लैक गाउन और कैप पहनने का चलन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सभी मेडिकल कॉलेजों से मांगे नए ड्रेस कोड के प्रस्ताव

नई दिल्ली। नई दिल्लीः दीक्षांत समारोह जिसे ग्रेजुएशन सेरेमनी भी कहा जाता है, उसमें अभी तक काले कलर के गाउन और कैप पहनी जाती है, लेकिन मेडिकल कॉलेजों में अब ये ड्रेस कोड बदलने वाला है। दरअसल केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मेडिकल कॉलेजों से कहा है कि अब से दीक्षांत समारोह में भारतीय परंपरा के हिसाब से कपड़े पहने जाएं। हम सभी अभी तक यूरोप के मध्य युग से चली आ रही काले रंग के गाउन और टोपी पहनने की परंपरा निभा रहे थे, जो ब्रिटिश शासन से चली आ रही थी। हालांकि अब इसे बदलने का वक्त आ गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, एम्स और दूसरे मेडिकल संस्थानों को अपने-अपने राज्य की परंपरा के हिसाब से नए ड्रेस कोड का प्रस्ताव भेजना होगा। मंत्रालय ने कहा है कि दीक्षांत समारोह में ब्लैक ड्रेस और टोपी पहनने की परंपरा ब्रिटिश काल की देन है, इसे बदलने की जरूरत है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किए निर्देश इसके लिए सभी मेडिकल संस्थानों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने यहां के स्थानीय रीति-रिवाजों के अनुसार नए ड्रेस कोड का प्रस्ताव तैयार करें। इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय को भेजा जाएगा। मंत्रालय के सचिव (स्वास्थ्य) इस पर अंतिम फैसला लेंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय के इस फैसले का असर एम्स जैसे बड़े संस्थानों समेत सभी मेडिकल कॉलेजों पर पड़ेगा।

सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network
अवश्यकता है
इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में ख़बरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

सिंगल कॉलम

अपर आयुक्त के सामने ही युवती ने निगम कर्मचारी को जड़ा थप्पड़

इंदौर। जिले के विजयनगर थाना क्षेत्र स्थित मेघदूत चौपाटी पर अतिक्रमण हटाने के दौरान हंगामा हो गया। यहां निगम की रिमूवल टीम अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रही थी तभी एक युवती ने निगम कर्मचारी को थप्पड़ मार दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। निगमकर्मी की शिकायत पर पुलिस ने युवती के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। दरअसल जिले के विजयनगर थाना क्षेत्र के मेघदूत गार्डन चाट चौपाटी पर कुछ दुकान संचालक अवैध रूप से कब्जा करके अतिक्रमण किए हुए थे। गुरुवार को अधिकारियों के आदेश पर एक टीम दुकान संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करने गई थी। इससे पहले अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, स्वास्थ्य अधिकारी करमेन्द्र जांगिड़, मनोहर गौर, राहुल गौर के साथ औचक निरीक्षण पर पहुंचे। अतिक्रमण हटाने के दौरान वहां एक दुकान संचालिका ने पहले तो रिमूवल गैंग कर्मचारी देवकरण यादव के साथ हाथापाई की फिर उसने चांटा मार दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो के आधार पर निगम कर्मचारी ने पूरे मामले की शिकायत विजयनगर पुलिस को की है, जिसके बाद विजयनगर पुलिस ने पूरे मामले में मारपीट करने वाली युवती के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक रिमूव्हल गैंग के कर्मचारी देवकरण यादव की शिकायत पर आरोपी रिषिका अर्गल के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। आरोपी युवती चौपाटी पर आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप चलाती है।

42 साल की विवाहिता से पड़ोसी ने किया रेप

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा इलाके में रहने वाली एक 42 साल की महिला ने अपने ही पड़ोसी पर रेप का केस दर्ज किया है। वह वीडियो वायरल करने के नाम से ब्लैकमेल कर रहा था। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने मार्केट जाने के दौरान पीड़िता को बाइक पर बैठाया और साथ ले गया। यहां चाय पिलाने के बहाने रेप किया। इस घटना का आरोपी ने वीडियो बना लिया। इसी व फिर वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर तीन माह से ब्लैकमेल कर रहा था। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक 42 साल की महिला की शिकायत पर वीरू उर्फ सौरभ यादव निवासी भागीरथपुरा पर रेप और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि 2003 में उसकी शादी हुई है। आरोपी उसके पड़ोस में रहता है। 28 मई को वह घर से कुशवाह नगर जा रही थी। एमआर 4 के यहां पहुंची तो बाइक से वीरू मिला। उसने बाइक पर बैठाकर छोड़ने का कहा। रास्ते में बाइक रोककर कहा चाय पीकर चलते हैं। वह जिस जगह ले गया, वहां कोई नहीं था। अंदर जाते ही वीरु ने मेरा रेप किया। मुझे और मेरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। इस वजह से मैं उससे डरी हुई थी। कुछ दिन बाद वीरू ने कहा कि उसने रेप का वीडियो बना लिया था। यदि वह फिर से उसी जगह नहीं आई तो वीरु मेरे वीडियो वायरल कर देगा। इसके चलते मैंने पति और ससुर को पूरी बात बताई और उनके साथ जाकर वीरु के खिलाफ केस दर्ज करा दिया।

बैंक अफसर के सूने घर में चोरों ने खोला डिजिटल लॉकर

इंदौर। इंदौर के मनीषपुरी (साकेत नगर) निवासी बैंक अफसर के सूने घर में चोर घुस गए। घटना के वक्त वे मुंबई गए हुए थे। पलासिया पुलिस ने दोस्त की शिकायत पर केस दर्ज किया है। पुलिस इलाके के सीसीटीवी खंगाल रही है। पलासिया पुलिस के मुताबिक हृदयेश गुप्ता निवासी शुभलाभ वैली, खजराना ने बताया कि चोरी आईसीआईसीआई के नितिन पाटौदी के यहां हुई। घटना के वक्त नितिन मुंबई गए हुए थे। इसलिए चाबी हृदयेश के पास थी। हृदयेश गुरुवार को नितिन के घर में पेंटिंग कराने पहुंचे तो घर का सामान बिखरा था। किचन का दरवाजा टूटा था। बैडरूम की आलमारी का सामान बिखरा था। इसमें रखे सोने के दो कंगन, ईयर रिंग व अन्य जेवर सहित 70 हजार रुपए नगद चोरी हो गए। घर में रखा डिजिटल लॉकर को तोडकर उसका सामान भी बदमाश चुरा ले गए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रही है।

एसजीएसआईटीएस में डीटीई के बीटेक फर्स्ट राउंड काउंसलिंग में 75 प्रतिशत सीटें फुल

इंदौर। एसजीएसआईटीएस में डीटीई के बीटेक फर्स्ट राउंड काउंसलिंग में (ऐडमिशन) में 75% सीट फुल हो गई हैं। इस बार भी हिंदी मीडियम में अच्छा रुझान देखने को मिला है, जिसमें करीब 60त्न सीटस अभी तक भर चुकी है। कंप्यूटर और आईटी में सबसे ज्यादा रुझान मिला। कंप्यूटर साइंस की सभी सीटें भर गई हैं। इंचार्ज यूजी एडमिशन प्रोफेसर बीआर रावल ने बताया कि आईटी की 150 में से 141, तीसरे नंबर पर एउ 112 में से 98, चौथे नंबर पर 112 में से 95 इलेक्ट्रॉनिक एंड इंस्ट्रूमेंटेशन के साथ ही अन्य ब्रांच में भी समय की आवश्यकता के अनुसार अच्छा रुझान मिला है।

देर रेत से सुबह तक तेज बारिश, दोपहर बाद झमाझम ने पकड़ी रफ्तार

एक दिन में 3 इंच बारिश से लबालब हुआ इंदौर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर में गुरुवार देर रात से रिमझिम बारिश शुरू हुई थी, जो शुक्रवार सुबह तेज हो गई। देर रात से सुबह 8.30 बजे तक ही आधा इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। इस बीच, तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखा गया। शुक्रवार को कुछ देर के लिए सुबह धूप निकली और फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। शुक्रवार को लगभग तीन इंच पानी गिरा।

इंदौर में गुरुवार देर रात से बारिश की झड़ी लगी रही। शुक्रवार सुबह हल्की धूप निकली लेकिन सुबह 11 बजे से तेज बारिश शुरू हो गई। पूरे दिन कभी रिमझिम तो कभी तेज बारिश हुई। शाम 6 बजे के बाद तेज बारिश शुरू हो गई। इससे कई इलाकों में पानी भर गया। वहीं कई सड़कें लबालब भर गई। इस वजह से कई जगहों पर जाम लग गया। कई वाहन खराब हो गए। इंदौर में एक दिन में 3 इंच से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की जा चुकी है। जबकि इस सीजन में अब तक 23 इंच बारिश दर्ज हुई है। शहर में कई जगह जलभराव के हालात बने। बंगाली चौराहे पर चारों ओर पानी जमा हो गया। इस वजह से वाहन चालकों को निकलने में परेशानी हुई। ट्रैफिक सिग्नल के यहां भी वाहन आपस में उलझते नजर आए। शहर के कई चौराहों पर ट्रैफिक संभालने में पुलिस असहाय नजर आई।

सड़कें लबालब, कई जगह ट्रैफिक जाम

बारिश के कारण जल जमाव की वजह से ट्रैफिक प्रभावित हो रहा है। कई जगह ट्रैफिक जाम हो रहा है। वाहन गुत्थमगुत्था हो रहे हैं। बारिश के कारण कई जगहों पर वाहन खराब हो गए। इस वजह से ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी। निचली बस्तियों में पानी भर गया है और लोग परेशान हो रहे हैं। नाला टेपिंग की वजह से तीन साल से इंदौर में यही हालात चल रहे हैं। तेज बारिश के कारण कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए हैं और बिजली की आपूर्ति बाधित हुई है। कुछ इलाकों में घरों में भी पानी भर गया है।

बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से बना सिस्टम, दी चेतावनी

मौसम विभाग ने लोगों को बारिश के दौरान सावधानी बरतने की चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा है कि घरों से बाहर निकलने से पहले मौसम की जानकारी लेनी चाहिए और सुरक्षित स्थानों पर रहना चाहिए। अगले कुछ दिनों तक बारिश जारी रह सकती है। इसलिए, लोगों को तैयार रहने और सभी आवश्यक सावधानियां बरतने की आवश्यकता है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में लो प्रेशर एरिया की वजह से मध्य प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हो गया है। इस वजह से गुरुवार रात से ही कुछ जिलों में बारिश हो रही है। साइक्लोनिक सकुर्लेशन और मानसून ट्रफ के चलते इंदौर में आज तेज बारिश का अनुमान है। 25 अगस्त से सिस्टम और मजबूत हो जाएगा।

बारिश के कारण तापमान में गिरावट-

बारिश के कारण दिन का तापमान 32.4 (+4) डिग्री सेल्सियस से घटकर 28.6 (+1) डिग्री सेल्सियस हो गया है। रात का तापमान भी 22.7 (+1) डिग्री सेल्सियस से घटकर 21.5 (-1) डिग्री सेल्सियस हो गया है। बारिश के साथ-साथ आद्रता में भी वृद्धि हुई है। शुक्रवार सुबह की आद्रता 98 प्रतिशत थी, जो गुरुवार की शाम की आद्रता से अधिक है।

जन्माष्टमी पर यादव समाज निकालेगा शोभायात्रा : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को न्योता दिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव भी होंगे शामिल

26 को चांदी के रथ पर सवार होकर निकलेंगे भगवान श्रीकृष्ण

सिटी चीफ इंदौर।

यादव अहीर समाज जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण की शोभायात्रा निकालेगा। 26 अगस्त को सुबह 10ः30 बजे चांदी के रथ पर सवार होकर भगवान श्रीकृष्ण बड़ा गणपति चौराहे से नगर भ्रमण पर निकलेंगे। शोभायात्रा की तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए गुरुवार को यादव समाज की बैठक यादव मांगलिक भवन पाटनीपुरा पर हुई। इसमें यादव समाज के 20 से अधिक संगठनों के पदाधिकारियों ने शोभा यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए समाजजनों से अनुरोध किया। शोभायात्रा में चांदी के रथ पर विराजित भगवान श्रीकृष्ण के साथ गोपियों की वेशभूषा में मातृशक्ति चलेगी।वहीं राधाकृष्ण के स्वरूप में बच्चे भी शामिल होंगे।

यादव अहीर समाज केंद्रीय समिति के अध्यक्ष ओंकार यादव एवं संरक्षक दीपू यादव ने बताया कि शोभायात्रा को लेकर सारी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इंदौर प्रवास के दौरान एयरपोर्ट पर समाज के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात कर शोभायात्रा में आने का न्योता दिया है। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव भी शामिल होंगे। शोभायात्रा में शामिल होने वाली झांकियां, अखाड़े, बैंड आदि के स्वरूप को लेकर बैठक में चर्चा की गई। बैठक में वरिष्ठ जनों ने अपने अनुभव साझा किया। बैठक की शुरूआत भगवान श्रीकृष्ण के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर की। बैठक में मुख्य रूप से वरिष्ठ समाजसेवी रमेश उस्ताद, सभापति मुन्नालाल यादव, प्रवेश यादव, रामसमुझ यादव, प्रदीप यादव, अंकित यादव, राधा यादव, सुषमा यादव, चंदा यादव सहित सैकड़ों समाज बंधु मौजूद थे। बैठक में तय किया गया कि 26 अगस्त को जन्माष्टमी पर सुबह 10ः30 बजे चांदी के रथ पर सवार होकर भगवान श्रीकृष्ण नगर भ्रमण पर निकलेंगे। बड़ा गणपति पर पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी सहित विधायक गोलू शुक्ला, सचिन यादव कसरावद सहित पार्षद एवं वरिष्ठजन भगवान श्रीकृष्ण के रथ को खींचकर शोभायात्रा की शुरूआत करेंगे। जिंसी, बड़वाली चौकी, रामबाग,चिकमगलूर चौराहा होते हुए चिमनबाग पर यात्रा का समापन होगा।

इंदौर-सांवेर-उज्जैन चलेगी मेट्रो, मंत्री तुलसी सिलावट ने कार्यों की प्रगति की ली जानकारी

इंदौर से उज्जैन के बीच बनेगा उद्योग और शिक्षा का नया केंद्र

सिटी चीफ इंदौर।

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने शुक्रवार को इंदौर-उज्जैन मेट्रो ट्रेन के महाप्रबंधक आर.एस. राजपूत से इंदौर से सांवेर और सांवेर से उज्जैन के बीच चलने वाली मेट्रो ट्रेन के कार्यों की प्रगति एवं कार्य प्रारंभ करने के संबंध में भोपाल में विस्तृत चर्चा की। मंत्री ने कहा कि इंदौर से उज्जैन के बीच शिक्षा और उद्योग का नया केंद्र स्थापित होगा। इसमें मेट्रो बड़ी भूमिका निभाएगी।

इस संबंध में जानकारी देते हुए मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि आगामी दिनों में सांवेर को बहुत बड़ी सौगात मिलने वाली है। सिंहस्थ महापर्व- 2028 को देखते हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में इंदौर से सांवेर एवं सांवेर से उज्जैन मेट्रो ट्रेन चलाने की स्वीकृति दी गई है। इस संबंध में संपूर्ण कार्यवाहियां पूर्ण कर ली गई हैं। इसी तारतम्य में आज इंदौर उज्जैन मेट्रो ट्रेन के महाप्रबंधक आर.एस. राजपूत के साथ बैठककर सभी बिन्दुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श कर इंदौर से उज्जैन के बीच प्रस्तावित स्टेशनों के संबंध में भी चर्चा की गई।

रोड से करोड़ों लोग करेंगे आवाजाही

आगामी सिंहस्थ- 2028 में उज्जैन में महाकालेश्वर दर्शन के लिए लाखों-करोड़ों लोगों का इंदौर से उज्जैन रूट पर आवागमन रहेगा। इसको ध्यान में रखते हुए इंदौर से उज्जैन रोड को 6 लेन किया जा रहा है। इसी के साथ इंदौर-उज्जैन मेट्रो ट्रेन की सौगात भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से प्राप्त हो रही है।

इंदौर को रहने लायक बनाने के लिए तैयार करना होगा मेट्रोपॉलिटन मास्टर प्लान

इंदौर। विजन-2047 को लेकर सांसद की मौजूदगी में अर्बन प्लानर, आईटी विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री, उद्योगपति-कारोबारियों ने मंथन किया। विशेषज्ञों ने कहा- इंदौर को रहने लायक शहर बनाने के लिए मेट्रोपॉलिटन मास्टर प्लान बनाना होगा। भविष्य के लिए 3 से 4 एलिवेटेड कॉरिडोर, अंडरग्राउंड सर्विसेस बनाने की जरूरत है। सांसद शंकर लालवानी की अध्यक्षता में बैठक में विशेषज्ञ बोले- सबसे पहले अर्बन डिजाइन गाइड लाइन बनाने और दुनिया में इंदौर की ब्रांडिंग करना होगी। इंदौर दुनिया में देश के सबसे स्वच्छ शहर में शुमार है। विजन-2047 का प्रारंभिक प्रारूप स्मार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह ने प्रस्तुत किया। आईडीए में मेट्रोपॉलिटन रीजन प्रोजेक्ट के प्रभारी अनिल जोशी व रचना बोचरे ने आईएमआर की जानकारी दी। लालवानी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के विजन 2047 के अनुरूप इंदौर के लिए विजन-2047 और अर्थव्यवस्था को दुगना करने के लिए कार्य कर रहे हैं। इस दौरान सीआईआई के अक्षत चौरड़िया, आईआईएम के अर्थशास्त्री कार्तिकेय, आर्किटेक्ट अतुल सेठ, अहिल्या चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के सुशील सुरेका ने भी सुझाव दिए। इंदौर के लिए रिसर्च कर रहे अनुराग सिकरवार ने कहा कि इंडस्ट्रियल कॉरिडोर तो है, यहां एजुकेशन कॉरिडोर बनाने की जरूरत है। वहीं अर्थशास्त्री जयंतीलाल भंडारी का कहना था कि स्टार्टअप, टेक्सटाइल्स, फार्मा, ऑटोमोबाइल, फूड प्रोसेसिंग और ईवी के क्षेत्र में केंद्र की पीएलआई योजना का लाभ लेकर औद्योगिक विकास करना चाहिए।

40 वर्षीय महिला ने पति पर लगाया आरोप, प्रताड़ना का केस

शरीर को लेकर पति करता है टिप्पणी, जान का है खतरा

सिटी चीफ इंदौर।

राजेन्द्र नगर में रहने वाली एक महिला ने अपने पति पर शारीरिक संरचना को लेकर गलत टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। कहा कि पति बेटे के लिए भरण-पोषण नहीं देता। महिला ने बताया कि उसके पति से जान को खतरा है। पुलिस ने इस मामले में प्रताड़ना की धाराओं में केस दर्ज किया है। राजेन्द्र नगर पुलिस ने 40 साल की महिला की शिकायत पर पति प्रदीप राजौरिया पर 85, 296, 115(2), 351(3) भा.न्याय.सं के मामले में केस दर्ज कराया है। महिला ने पति पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस के मुताबिक महिला ने एक लिखित आवेदन दिया था। जिसमें बताया कि उसकी शादी 13 साल पहले हुई है। शादी के बाद एक बेटा है। शादी के कुछ समय बाद पति आए दिन विवाद करते हैं। कई बार मारपीट की। लेकिन परिवार के लोगों के चलते आपस में सुलह हो गई। लेकिन पति फिर से विवाद करने लगे। उनका कहना है कि वह मुझे घर पर छोड़ देंगे और कुछ नहीं देंगे। बेटे के भरण पोषण भी नहीं करते हैं। रुपए मांगने पर कहते हैं कि भाई और पिता से लेकर आओ। वे मेरी शरीर की संरचना को लेकर अभद्र टिप्पणी करते हैं, ताने मारते हैं। बोलते हैं कि कहीं ले जाने लायक नहीं हो। 21 अगस्त की रात को पति ने विवाद किया। मारपीट करते हुए अपशब्द कहे। जब पुलिस को बुलाने की बात कही तो धमकी दी कि गला दबाकर हत्या कर दूंगा।

मेट्रीमोनियल साइट पर दोस्ती कर लिया था झासे में

शादी का बोलकर किया रेप, क्रेडिट कार्ड बनाकर निकाले रुपए

सिटी चीफ इंदौर।

एमआईजी थाना पुलिस ने 33 साल की महिला की शिकायत पर राजकुमार पुत्र गोपीकृष्ण मूंदडा निवासी मुरलीधर व्यास कॉलोनी बीकानेर के खिलाफ रेप और ब्लैकमेलिग का केस दर्ज किया है।

युवती ने पुलिस को बताया कि फरवरी माह में उसकी शादी हुई है। राजकुमार उसका पहला प्रेमी है। जिससे मेट्रोमोनियल साइट से अगस्त 2021 में दोस्ती हुई। बातचीत बढ़ी तो दोनों एक दूसरे को पंसद करने लगे। राजकुमार ने कहा कि वह शादी करना चाहता है। इसलिये मिलने घर आ रहा है। नवंबर 2021 में वह घर आया और उसने शादी की बात कर जबरदस्ती संबंध बनाए। इसके बाद वह होटल में दो से तीन दिन रूका। वहां मिलने बुलाया। राजकुमार क्रेडिट कार्ड बनाने का काम करता है, इसलिय युवती ने भी उससे अपना क्रेडिट कार्ड बनवा लिया। लेकिन राजकुमार ने उसे अपने पास ही रखा और शॉपिंग करने लगा। युवती ने 2022 में राजकुमार को परिवार से मिलवाया। उन्होंने शादी को लेकर हां कर दी। अक्टूबर 2023 में राजकुमार ने बात करने से इंकार कर दिया। उसने कहा कि में शादी नहीं कर पाउंगा। सिर्फ रूपए को लेकर ही तुमसे झूठे वादे किये थे। नवंबर 2023 में राजकुमार ने दूसरी लड़की से शादी कर ली और क्रेडिट कार्ड बंद करने और रुपए वापस करने से इनकार कर दिया। इस पर युवती ने राजकुमार के खिलाफ जालसाजी की शिकायत कर दी। राजकुमार ने धमकी दी कि उसके खिलाफ शिकायत वापस नहीं ली तो होटल में टीवी के ऊपर कैमरे लगाकर कुछ वीडियो बनाए थे। वह वायरल कर देगा। युवती ने पुलिस को बताया कि उसकी बदनामी नहीं हो। इसलिये उसने सिर्फ रूपए को लेकर शिकायत की। लेकिन राजकुमार उक्त शिकायत वापस लेने के लिये धमका रहा था। इसलिये माता माता-पिता को इंदौर आकर पूरी जानकारी दी। पीड़िता के साथ परिवार के लोग गुरुवार को थाने पहुंचे। पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंत्री शिवराज सिंह चौहान बोले- विरोधी दल इन पिछड़े वर्गों की बात नहीं करते हैं, भाजपा ने सम्मान दिया

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में पिछड़ी जाति को साध रही भाजपा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल/पटना। भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। पार्टी की नजर ओबीसी वोट बैंक है। शुक्रवार को पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में शहीद रामफल मंडल की याद में शहादत सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इसमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत बिहार भाजपा के कई दिग्गज नेता शामिल होने मंच पर पहुंचे। बिहार प्रदेश भाजपा की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि शहीद रामफल मंडल के सम्मान समारोह के जरिए भाजपा 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव में पिछड़ी जाति के वोट को साधने की कोशिश कर रही है।

पटना में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि रामफल मंडल को शहीद का दर्जा मिलेगा। हम धानुक समाज के चरणों में प्रणाम करते हैं। अगर कोई देश के आन बान शान पर कोई ऊंगली उठाये तो प्राण देकर भी उसका बदला लेना यह सनातन जानता है। धानुक समाज हमारे बचपन का झूला है। धानुक समाज को मैं प्रणाम करता हूं। मैं आपके कार्यकर्ता को भी प्रणाम करता हूं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ देश की बात सोचते हैं और विरोधी दल इन पिछड़े वर्गों की बात नहीं करते हैं। पिछड़े वर्गो का सम्मान क्यों नहीं दिया? इनको सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ने सम्मान दिया।

सरकार की कफन के अंतिम कील साबित होगा

वहीं हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोलते हुए शिवराज सिंह ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार अराजक और डरी हुई है। न्याय मांगने आए लोगों से डरी हुई है। पहले जगह-जगह भाजपा में आए युवाओं को रोका गया। बसें रोक दी गई लेकिन कार्यकर्ता झुके नहीं। आगे बढ़े और डरी हुई सरकार ने लाठी चार्ज किया है। लाठियां बरसाई हैं। यह लाठी जो तुम्हारी सरकार ने चलाई है वह तुम्हारी सरकार की कफन के अंतिम कील साबित होगा।

रविशंकर प्रसाद ने लालू परिवार पर किया हमला

सांसद रविशंकर प्रसाद ने लालू परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि लालू प्रसाद और उनके बेटे ने इनको याद क्यों नहीं किया? कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न किसने दिया। लालू जी उनके शिष्य बनकर राजनीति करते रहे, लेकिन उनको कभी भारत रत्न सम्मान देने की कोशिश नहीं की। अगर किसानों का दिल से कोई सम्मान करता है तो भारतीय जनता पार्टी करती है बाकी पार्टियों के लोग खुद को बढ़ाते हैं। भारतीय जनता पार्टी रामपाल मंडल जैसे शहीदों को सम्मान करती है बाकी पार्टियों सिर्फ अपने आप को और अपने परिवार को बढ़ाते हैं। कृषि और स्वास्थ्य विभाग के मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि रामफल मंडल मिथिला के पूत थे। अंग्रेज के समय के लोगों ने कभी उनको सम्मान नहींकिया। यह काम सिर्फ भारतीय जनता पार्टी करती है।

रामफल मंडल को शहीद का दर्जा दिलाएंगे

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि रामफल मंडल को शहीद का दर्जा दिलाएंगे। जिस तरह अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण हुआ। उसी तरह रामपाल मंडल जी की धरती पर मां सीता मंदिर का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर उनको शहीद का दर्जा दिलवाएंगे। उन्हें शहीद का दर्जा और राजकीय सम्मान दिलाया जायेगा। श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में शहीद रामफल मंडल की याद में शहादत सम्मेलन में शामिल होने आए अखिल भारतीय धानुक उत्थान महासंघ और भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बलराम मंडल ने पांच मांगे रखी है। इधर, समारोह स्थल के मंच पर कुल 19 कुर्सी लगाए गए हैं। उन जगहों पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के साथ साथ मंगल पांडे रवि शंकर प्रसाद दिलीप जायसवाल, बलराम मंडल, डॉ प्रेम कुमार केदार प्रसाद गुप्ता, सुरेन्द्र मेहता संजीव चौरसिया अरुण कुमार सिन्हा, जीवन कुमार, शंभू शरण पटेल, हरि साहनी, ललन मंडल, सीता साहू, रेशमी चंद्रवंशी, आंचल सिन्हा शामिल हुए।

प्रमुख मांगें यह हैं...

1.अमर शहीद रामपाल मंडल की प्रतिमा सचिवालय द्वारा संवैधानिक लिस्ट जारी कर प्रत्येक जिला के मुख्यालय के पास लगाई जाए।

2. अमर शहीद रामपाल मंडल के नाम से पटना के दरोगा राय पथ में भूमि आवंटन का स्मारक भवन का निर्माण हो।

3.अमर शहीद रामपाल मंडल को स्वतंत्रता सेनानी घोषित कर राजकीय सम्मान दिया जाए।

4.धानुक जाति को आबादी के अनुसार राजनीतिक हिस्सेदारी सुनिश्चित की जाए।

5.धानुक जाति को अन्य राज्य की तरह बिहार राज्य में भी अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाए।

स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर अलर्ट मोड पर प्रदेश सरकार, पुख्ता होगी डॉक्टरों की सुरक्षा

अमानक दवा सप्लायर पर लगेगी रोक, होगी सख्त कार्रवाई

सिटी चीफ भोपाल।

कोलकाता में हुई ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार के बाद हत्या के मामले के बाद मध्य प्रदेश शासन भी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर अलर्ट मोड पर आ गई है। जहां एक तरफ डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर प्लान तैयार किया जा रहे हैं, वही अमानक दवाइयों को लेकर भी विभाग पुख्ता इंतजाम कर रहा है।

स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा है कि राज्य सरकार आमजन के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर और संवेदनशील है। अस्पताल में सप्लाई होने वाली दवाओं के मापदंड पर खरा नहीं उतरने पर सप्लायर के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत स्वास्थ्य विभाग में ट्रांसफर पोस्टिंग की प्रक्रिया भी ऑनलाइन की जाएगी। जिससे पारदर्शिता बढ़ाने के साथ एररलेस काम हो सकेगा। स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने बताया कि वर्तमान में सरकारी अस्पताल में पर्याप्त सुरक्षा कर्मी तैनात हैं। इसके साथ ही स्थिति को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था में जरूरी बदलाव किए जाएंगे। गौरतलब है कि प्रदेश के डॉक्टरों ने सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स की तर्ज पर हॉस्पिटल सिक्योरिटी फोर्स बनाए जाने की प्रदेश सरकार से मांग की है।

तनाव कम करने के लिए सेमिनारों में करेंगे बदलाव

गंभीर मरीजों की सेवा करते हुए कई बार डॉक्टर अपने लिए समय नहीं निकाल पाते हैं डॉक्टर्स के तनाव को कम करने के लिए सरकार कई कार्यक्रम चल रही है। तनाव कम करने के लिए चल रहे प्रोग्राम और सेमिनार को जरूरत के हिसाब से मॉडिफाई किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल का कहना है कि चिकित्सकों को ज्यादा काम होने पर कई बार स्ट्रेस आ जाता है इसे कम करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

निजी सिक्योरिटी गार्ड्स के भरोसे डॉक्टरों की सुरक्षा

प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन, मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीया ने कहा है कि अभी अस्पतालों में जो निजी सुरक्षा एजेंसियों के कर्मचारी सुरक्षा का जिम्मा संभालते हैं। जिन एजेंसियों को सरकार हर महीने लाखों, करोड़ों का भुगतान करती है। उनके कर्मचारी इतने सक्षम नहीं होते कि अस्पताल में जब कोई बड़ा विवाद या घटना हो तो वे उसे संभाल सकें। उन कर्मचारियों का वेतन भी बहुत कम होता है ऐसे में जब खुद की जान का जोखिम हो तो कम पैसों में नौकरी करने वाला निजी कंपनी का कर्मचारी भाग खड़ा होता है। सरकार यदि चाहती है कि डॉक्टर सुरक्षित रहें तो औद्योगिक सुरक्षा बल की तरह हॉस्पिटल सिक्योरिटी फोर्स का गठन करना चाहिए। डॉ. राकेश मालवीय का कहना है कि कोलकाता की घटना ने केवल एक राज्य नहीं, बल्कि पूरे भारत देश और दुनिया भर को सोचने पर मजबूर कर दिया है। अस्पतालों में मरीजों की जान बचाने के लिए चिकित्सक अपने परिवार को छोड़ कर अपनी जान दांव पर लगाकर दिन रात इलाज करता है। ऐसे में अब करूरत है कि अस्पतालों के लिए एक डेडिकेटेड सिक्योरिटी फोर्स का गठन किया जाए।

एसडीएम कोर्ट ने सरकारी जमीन पर बने कमर्शिलय कॉम्प्लेक्स को गिराने के लिए दिए हैं निर्देश

वक्फ बोर्ड संशोधन को ताकत देंगे मप्र के हालात

सिटी चीफ भोपाल।

केंद्र सरकार द्वारा लाए जा रहे वक्फ बोर्ड संशोधन पर तात्कालिक तौर पर विराम जरूर लग गया है, लेकिन भविष्य में जब भी इसके लागू होने की स्थिति बनी तो मप्र के मामले इस संशोधन बिल को मजबूती देने वाले बनेंगे। पहले भोपाल और अब इंदौर में बनी स्थिति ने जहां वक्फ बोर्ड की किरकिरी कराई है, वहीं इसके पास मौजूद दस्तावेज और रिकॉर्ड की विश्वसनीयता पर भी सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

राजधानी के अति व्यस्त मार्ग हमीदिया रोड पर मप्र वक्फ बोर्ड द्वारा निर्माण कराए जा रहे एक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स को लेकर एसडीएम कोर्ट ने एक दिन पहले ही फैसला दिया है। इसमें निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स वाले स्थान को सरकारी भूमि पर होना बताया गया है। इससे पहले यह मामला तहसीलदार की अदालत से भी वक्फ बोर्ड के खिलाफ जा चुका है। एसडीएम कोर्ट ने अपने फैसले में नगर निगम को इस कॉम्प्लेक्स को गिराने के आदेश जारी कर दिए हैं। साथ ही इस कार्रवाई में होने वाले खर्च की राशि बोर्ड से वसूल करने के लिए कहा गया है।

गौरतलब है कि करोड़ों रुपये कीमत की बेशकीमती जमीन पर कॉम्प्लेक्स निर्माण का काम तत्कालीन अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मरहूम आरिफ अकील के कार्यकाल में शुरू हुआ था। इस दौरान बोर्ड की व्यवस्था प्रशासक रिटायर आईएएस निसार अहमद के हाथ में थी। बताया जाता है कि करीब चार मंजिला इस कॉम्प्लेक्स के निर्माण पर बोर्ड की बड़ी लागत लग चुकी है। इसके बाद मौजूदा बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनव्वर पटेल के कार्यकाल में इन दुकानों की नीलामी ओपन टेंडर प्रक्रिया के साथ की गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने अपना पैसा लगा दिया है।

अब आया इंदौर का मामला

कोकिलाबेन अस्पताल के सामने निपानिया की खसरा नम्बर 170 की विवादित वक्फ जमीन को लेकर शाह परिवार ने अपने मालिकाना हक की बताई है। इस परिवार का कहना है कि 253 साल पहले यानी 1771 में दिल्ली में जो मुगल हुकुमत काबिज थी, उसके आदेश पर इंदौर रियासत के महाराज होलकर ने इनाम के रूप में 50 बीघा जमीन शाह परिवार को दी थी। निपानिया की उक्त जमीन भी इस 50 बीघा में शामिल बताई जा रही है और 1930 में होलकर रियासत ने फिर से शाह परिवार के पक्ष में सनद बनाकर भी दी थी और सरकारी मिसलबंदी और खसरा खतौनी में शाह परिवार का नाम इंद्राज रहा है।

वक्फ बोर्ड पदाधिकारी कर रहे अवैध सौदे

शाह परिवार ने आरोप लगाया है कि मप्र वक्फ बोर्ड में पदासिन रहने वाले ओहदेदार भूमाफियाओं से मिलीभगत कर लगातार अवैध सौदे करते रहे हैं। यह सिलसिला अब भी जारी है। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर जिला कमेटी और प्रदेश के ओहदेदारों के खिलाफ उन्होंने शिकायत भी की है।

लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई

विकास प्राधिकरण कार्यालय के बाबू को 40 हजार की रिश्वत लेते धराया

सिटी चीफ भोपाल।

लोकायुक्त भोपाल की टीम ने शुक्रवार को भोपाल विकास प्राधिकरण (इऊअ) कार्यालय में सहायक ग्रेड-1 के बाबू तारकचंद दास को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस अधीक्षक मनु व्यास के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई में बाबू तारकचंद दास को 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते समय गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार भोपाल विकास प्राधिकरण कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड 1 के बाबू तारकचंद दास की शिकायतकर्ता किसान ने शिकायत की। उसकी तरफ से बताया गया कि उसका रत्नागिरी रायसेन रोड, पिपलानी में मकान है। उसके मकान की लीज के नवीनीकरण के लिए बाबू तारकचंद दास ने 3,35,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। किसान पिछले 6 महीनों से अपने मकान की लीज नवीनीकरण के लिए दास के पास चक्कर काट रहा था, लेकिन बिना रिश्वत के उसका काम नहीं हो पा रहा था। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त ने ट्रेप की कार्रवाई की और आरोपी को बाबू को उसके पंचशील नगर निवास पर आवेदक से 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा।

आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली टीम के अन्य सदस्य निरीक्षक रजनी तिवारी, निरीक्षक घनश्याम मर्सकोले, प्रधान आरक्षक रामदास कुर्मी, मुकेश सिंह, राजेंद्र पावन, नेहा परदेसी, और आरक्षक मनमोहन साहू भी इस सफल कार्रवाई में शामिल थे।

जिम्मेदारी मिलते ही मंत्री ने नागपुर का किया दौरा, कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

भाजपा ने विजयवर्गीय को दी महाराष्ट्र की 12 सीटों की जिम्मेदारी

सिटी चीफ भोपाल।

मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्रीकार्यकर्ताओं कैलाश विजयवर्गीय जी को भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र में आगामी समय में होने वाले विधानसभा चुनाव में 12 सीटों का जिम्मा दिया है।

इसके पश्चात् मंत्रीकार्यकर्ताओं विजयवर्गीय ने शुक्रवार को नागपुर का दौरा कर वहां रामटेक और नागपुर लोकसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित किया। बैठक में मंत्री विजयवर्गीय जी ने कार्यकर्ताओं से रूबरू होते हुए जीत के मंत्र दिए।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश की राजनीति में विजयवर्गीय जी जैसे राजनेता ह्यन भूतो, न भविष्यतिह्न हैं। आपसी सामंजस्य हो या, चुनाव जीतने की रणनीति, उनका देश की राजनीति में अलग स्थान है। यही वजह है कि पार्टी उन्हें महत्वपूर्ण अवसरों और चुनावों में मैदान में उतारती है। श्री विजयवर्गीय पश्चिम बंगाल, हरियाणा जैसे राज्यों में बीजेपी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा चुके हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भी उन्हें मालवा और निमाड़ सहित प्रदेश की 60 से अधिक सीटों को जिताने का जिम्मा दिया था, जिस पर वे खरे उतरे हैं। इसके बाद लोकसभा चुनाव में उन्हें सबसे कठिन मानी जाने वाली छिंदवाड़ा सीट का जिम्मा दिया गया। इस पर भी वे सौ टंच खरे उतरे और छिंदवाड़ा सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज की।

बीजेपी के रक्षाबंधन उत्सव पर कांग्रेस का तंज, कहा- महिला अत्याचार के समय कहां गायब हो जाते हैं राखी वाले नेता

महिलाओं के अपराध मामले में मध्यप्रदेश पहले पायदान पर

सिटी चीफ भोपाल।

भाजपा नेताओं के रक्षाबंधन महोत्सव को लेकर कांग्रेस हमलावर हो गई। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता संगीता शर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग सहित अन्य भाजपा नेताओं और मंत्रियों द्वारा रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व पर कार्यक्रम आयोजित कर राखी बंधवाने का स्वांग रचने पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि सार्वजनिक स्थानों में राखी बंधवाने का रिकॉर्ड बनाने का दावा करने वाले भाजपा नेता मध्यप्रदेश में बढ़ रहे महिला अत्याचार के समय कहां गायब हो जाते हैं।

मध्य प्रदेश में इन दिनों मुख्यमंत्री से लेकर बीजेपी के मंत्री और विधायक रक्षाबंधन का आयोजन कर रहे हैं। अलग-अलग जगह बहनों से राखी बंधवा रहे हैं। भोपाल में मंत्री विश्वास सारंग और विधायक रामेश्वर शर्मा हजारों की संख्या में बहनों से रखी बंधवा रहे हैं। वही मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भी कई जगह रक्षाबंधन का आयोजन में शामिल होकर बहनों से राखी बंधवाई है। इसे लेकर ही कांग्रेस प्रवक्ता ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने ने कहा कि एक तरफ भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री से लेकर दूसरे मंत्री और अन्य नेता बहनों से राखी बंधवाने का ढोंग रचते हैं। तो वहीं दूसरी तरफ केंद्र सरकार की संस्था एनसीआरबी की रिपोर्ट बताती है कि महिलाओं और बेटियों के खिलाफ अपराध के मामले में मध्यप्रदेश पहले पायदान पर है।

महिला सशक्तिकरण के नाम पर दिखावा

शर्मा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के नाम पर प्रदेश की भाजपा सरकार सिर्फ दिखावा कर रही है। मध्यप्रदेश में महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। हाल ही में एक महिला पटवारी को उसके दफ्तर में सार्वजनिक रूप से धमकाने

और जबलपुर के सुभाषचंद्र मेडिकल कॉलेज की दो छात्राओं के साथ छेड़खानी की घटना का जिक्र करते हुए संगीता शर्मा ने कहा कि आए दिन राजधानी में महिलाओं पर हमले हो रहे हैं। महिलाओं और बेटियों के साथ छेड़खानी और बलात्कार की घटनाएं तो अब आम हो गई हैं। शर्मा ने कहा कि जब राजधानी भोपाल की स्थिति इतनी बदतर है तो मध्यप्रदेश के दूसरे जिलों में महिला अत्याचार का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के दो महानगर भोपाल और इंदौर में कानून व्यवस्था ठीक करने के लिए लागू की गई पुलिस कमिश्नर प्रणाली पूरी तरह फेल हो गई है। इन शहरों में अपराध रुकने की जगह बढ़ते जा रहे हैं। महिला सशक्तिकरण के नाम पर सरकार सिर्फ दिखावा कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता संगीता शर्मा ने कहा कि प्रदेश की महिलाओं को भाजपा सरकार और उसके नेताओं का असली चेहरा पहचानने की जरूरत है। शर्मा ने कहा कि भाजपा योजनाओं और आयोजनों के जरिए सिर्फ महिलाओं के साथ धोखा कर रहे हैं पर पूरे प्रदेश में उन्हें कहीं भी महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध नहीं करवा पा रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता शर्मा ने कहा कि जिस भाजपा के 54 सांसद और विधायक हत्या और बलात्कार जैसे गंभीर महिला अपराध का सामना कर रहे हो उस दल से महिलाओं को सुरक्षित रखने की उम्मीद छोड़ देनी चाहिए।

उन्होंने प्रधानमंत्री को याद दिलाते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीना ठोक कर कहा था कि हमारी सरकार में कोई दागी नहीं रहेगा फिर यह गंभीर महिला अपराधी 54 सांसद, विधायक क्या भाजपा और मोदी सरकार की शोभा बढ़ा रहे हैं। अब कहां गया मोदी जी का वह संकल्प? संगीता शर्मा ने प्रदेश की महिलाओं को सचेत करते हुए आगाह किया है कि अपने आंखों से भाजपा और उसके नेताओं की कारगुजारियां देखने और जानने की कोशिश करें।

सम्पादकीय

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न मानव अधिकारों का सरासर उल्लंघन

करीब एक दशक में देश के विभिन्न राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के लिये महिला सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये आवंटित धनराशि का लगभग छिहत्तर फीसदी धन ही खर्च हो पाया है। निश्चित रूप से महिला सुरक्षा की ऐसी चुनौतियों के बीच कम धन का खर्च होना एक विडंबना ही कही जाएगी। वहीं इस दौरान देश में दर्ज किये गए बलात्कार के मामलों की संख्या में केवल नौ फीसदी की ही गिरावट दर्ज की गई है। निश्चित रूप से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शुरू की जाने वाली किसी भी नई पहल पर इन तमाम गंभीर तथ्यों को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की यौन हिंसा के बाद हुई हत्या ने एक बार फिर साबित किया है कि देश में कामकाजी महिलाओं के लिये कार्यस्थल पर परिस्थितियां कितनी असुरक्षित हैं। वह भी इतनी भयावह कि कार्यस्थल पर ही प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ यह सब वीभत्स घट जाता है। निश्चित रूप से कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न मानव अधिकारों का सरासर उल्लंघन ही है। कार्यस्थल पर महिलाओं के लिये सुरक्षा अनुकूल वातावरण बनाने के मद्देनजर विशाखा दिशा-निर्देश जारी करने के सत्ताईस साल बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को डॉक्टरों की सुरक्षा को संस्थागत बनाने के लिये तुरंत कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। वहीं दूसरी ओर देश की सर्वोच्च अदालत के निर्देश के अनुपालन हेतु गठित एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स को चिकित्सा पेशवरों की सुरक्षा, महिला चिकित्सकों के लिये अनुकूल कामकाजी परिस्थितियां बनाने तथा उनके हितों की रक्षा के लिये प्रभावी सिफारिशें तैयार करने का काम सौंपा गया है। विश्वास किया जाना चाहिए कि ये सिफारिशें यदि जमीनी स्तर पर भी प्रभावी साबित हुईं तो किसी भी पेशे में कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा के लिये असरकारी साबित होंगी। लेकिन यह तभी संभव है जब सभी हितधारक एक स्तर पर एकजुट होकर इस दिशा में काम करेंगे। निस्संदेह, किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना होने के वक्त तमाम तरह के उपक्रम होते हैं, लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। यही वजह है कि नई कार्ययोजना बनाते समय इस बात का आकलन करने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है कि महिला सुरक्षा को लेकर मौजूदा कानून और दिशा-निर्देश जमीनी स्तर पर बदलाव लाने में कितने सफल रहे हैं। सही मायनों में कानून बनाने और दिशा-निर्देश जारी करने से ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि उनका अनुपालन कितने पारदर्शी व संवेदनशील दृष्टि से किया जाता है। साथ ही विगत के अनुभवों से भी सबक लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद देश में कोलकाता कांड में भी उसी तरह की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। जिसके बाद आवश्यकता महसूस की गई कि ऐसे क्रूर अपराधियों को सख्त से सख्त सजा देने वाले कानून लाये जाएं। कालांतर देश में यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम अस्तित्व में आया। दरअसल, महिलाओं के लिये सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ ही विशाखा दिशा-निदेर्शों के विस्तार के रूप में इसे अधिनियमित किया गया। यहां उल्लेखनीय है कि पिछले साल, देश की शीर्ष अदालत ने इस अधिनियम के क्रियान्वयन के संबंध में गंभीर खामियों की ओर इशारा किया था। साथ ही इससे जुड़ी अनिश्चितताओं की ओर भी संकेत दिया था। इसके उदाहरण के रूप में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिये केंद्र सरकार द्वारा स्थापित निर्भया फंड अक्सर नकारात्मक कारणों से सुर्खियों में रहा है। जिसमें आवंटित धन का पर्याप्त रूप में उपयोग न करना या फिर इस आवंटित धन का दुरुपयोग होना शामिल है। करीब एक दशक में देश के विभिन्न राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के लिये महिला सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये आवंटित धनराशि का लगभग छिहत्तर फीसदी धन ही खर्च हो पाया है। निश्चित रूप से महिला सुरक्षा की ऐसी चुनौतियों के बीच कम धन का खर्च होना एक विडंबना ही कही जाएगी।

कसौटी पर खरा नहीं उतरने वालों को किया हिंदू की श्रेणी से बाहर

हिंदू समाज का बहुत बड़ा हिस्सा जाति व्यवस्था से संचालित नहीं है। मध्य भारत, पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश समुदाय मसलन मिजो, कुकी, खासी, गारो, निशी, शेरदुखपेन, संथाल, गोंड, पश्चिमोत्तर भारत में भोट, बलती जाति व्यवस्था से संचालित नहीं हैं। इस निराधार अवधारणा को आधार बना कर जनगणना अधिकारियों ने हिंदू को पहचानने के लिए नई कसौटियां बनाईं। जो उन कसौटियों पर पूरा नहीं उतरता था उसे हिंदू की श्रेणी से बाहर कर दिया गया। इनमें से एक कसौटी ब्राह्मण को लेकर थी।

हिंदू की पहचान को लेकर बहस कभी बंद नहीं होती। इस बहस की शुरूआत भारत में अरबों, तुर्कों, मुगलों, पुर्तगालियों व अंग्रेजों के आने के बाद ही शुरू हुई। उससे पहले इस प्रश्न पर बहस नहीं होती थी। ये सभी विदेशी हमलावर या तो इस्लाम पंथ को मानने वाले थे या फिर ईसाई मत को मानने वाले थे। इन लोगों का सामाजिक-सांस्कृतिक व राजनीतिक जीवन इन दोनों में से किसी एक रिलीजन से समग्र रूप में संचालित होता था। उनकी पहचान के आधार भी निश्चित थे/हैं। जो व्यक्ति न्यू टैस्टामैंट में विश्वास करता है, ईसा मसीह को परमात्मा का पुत्र मानता है और चर्च में जाकर पूजा करता है, वह ईसाई है। इसी प्रकार इस्लाम पंथ को मानने वालों की पहचान भी निश्चित थी। जो व्यक्ति हजरत मोहम्मद को अल्लाह का रसूल मानता है, कुरान शरीफ को स्वीकारता है, मस्जिद में जाकर ईश्वर की इबादत करता है, वह इस्लाम पंथ को मानने वाला यानी मुसलमान है। जाहिर है जब एक निश्चित स्थान पर जाकर पूजा करता है तो वहां पूजा का कर्मकांड करवाने वाला भी चाहिए। इस्लाम पंथ में यह पूजा पाठ करवाने वाला मुल्ला मौलवी था। हर मस्जिद का एक मौलवी निश्चित था। उसे वायज, मीरवायज या इमाम कहा जाता था। इसी प्रकार ईसाई पंथ में पूजा का स्थान चर्च कहलाने लगा और वहां पूजा पाठ करवाने वाला व्यक्ति पादरी कहलाने लगा। लेकिन धीरे ईसाई पंथ में पूजा करवाने वाले लोगों की एक पूरी संगठित जमात खड़ी हो गई जिसका मुखिया पोप कहलाता है।

जब ये हमलावर हिंदुस्तान में आए तो सबसे पहले तो इन्होंने ईसाई पंथ व इस्लाम पंथ की तर्ज पर हिंदू को भी एक पंथ या रिलीजन ही मान लिया। उसके बाद ये लोग इस रिलीजन की पहचान करने का प्रयास करने लगे। हिंदू, जिसे इन्होंने रिलीजन समझ लिया था, उसकी पहचान समझने के लिए इन्होंने अपने अपने रिलीजन के पैमाने ही प्रयोग करने शुरू किए। लेकिन मामला पकड़ में नहीं आ रहा था क्योंकि भारतीय/हिंदू समाज को समझने के लिए जिन कारकों का प्रयोग किया जा रहा था, वे कारक ही गलत थे। यह संकट प्रत्यक्ष रूप में 1881 में सामने आया जब ब्रिटिश सरकार ने भारतीयों की कुल जनसंख्या की गणना करने के लिए एक नया विभाग स्थापित किया। जनगणना करवाना तो आसान काम ही था।

लेकिन सरकार ने लगे हाथ मजहब/रिलीजन के आधार पर भी संख्या जान लेना जरूरी समझा। इसलिए जनगणना फार्म में रिलीजन को लेकर तीन कॉलम बनाए गए। हिंदू/मुसलमान/ईसाई। जाहिर है इससे स्पष्ट पता चल गया कि हिंदुस्तान में 712 के बाद से देश में कितने लोग मुसलमान या ईसाई बन गए हैं। एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल) मूल के मुसलमानों के सात-आठ सौ साल के शासन के दौरान कुछ करोड़ भारतीय/हिंदू भी मतांतरित हो गए थे। अंग्रेजों के शासनकाल में कुछ भारतीय ईसाई भी हो रहे थे। जाहिर है उनकी संख्या भारतीयों/हिंदुओं के मुकाबले बहुत कम ही थी। सबसे बड़ी बात यह थी कि 1885 में कांग्रेस की स्थापना और 1905 में मुस्लिम लीग की स्थापना के बाद अंग्रेज शासकों ने मजहब के आधार पर कुछ सीमित संख्या में भारतीयों को भी स्थानीय प्रशासन में हिस्सेदारी देना शुरू कर दिया था। तब एटीएम मूल के मुसलमानों को जिनका शासन समाप्त हो चुका था, इस बात की चिंता हुई कि संख्या के कारण अब उनको सत्ता मिलने की संभावना कम हो गई थी। इसलिए सबसे पहला काम तो उन्होंने भारतीय मुसलमानों को भी अपने खेमे में जोड़ने या हांकने के प्रयास शुरू किए। लेकिन इसके बावजूद उनकी संख्या भला कितनी हो सकती थी? इसलिए दूसरा प्रयास किसी तरह से हिंदुओं की संख्या कम करने के प्रयास किए।

लेकिन यह काम अंग्रेज शासकों की मदद के बिना नहीं हो सकता था क्योंकि अब सत्ता तुर्कों-मुगलों के हाथ में नहीं थी, बल्कि इंग्लैंड के गोरों के हाथ में थी। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए बकौल बाबा साहिब अंबेडकर, एटीएम मूल के आगा खान ने 1910 की जनगणना से पहले वायसराय को एक ज्ञापन दिया। उसके उपरांत ब्रिटिश सरकार ने जनगणना के प्रत्यक्ष और परोक्ष दो पैमाने निर्धारित किए। परोक्ष पैमाना तो यह था कि ब्रिटिश सरकार ने हिंदू समाज को सीमित करते हुए हिंदू केवल उसी को माना जो जाति व्यवस्था से संचालित था, जबकि वस्तुस्थिति यह थी/है कि हिंदू समाज का बहुत बड़ा हिस्सा जाति व्यवस्था से बाहर है। एक नई अवधारणा स्थापित करने का प्रयास पहली बार हुआ कि सभी भारतीय/हिंदू जाति व्यवस्था से संचालित हैं। मूल रूप से यह अवधारणा ही गलत है। सभी भारतीय/हिंदू जाति व्यवस्था से संचालित नहीं हैं। हिंदू समाज का बहुत बड़ा हिस्सा जाति व्यवस्था से संचालित नहीं है। मध्य भारत, पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश समुदाय मसलन मिजो, कुकी, खासी, गारो, निशी, शेरदुखपेन, संथाल, गोंड, पश्चिमोत्तर भारत में भोट, बलती जाति व्यवस्था से संचालित नहीं हैं। इस निराधार अवधारणा को आधार बना कर जनगणना अधिकारियों ने हिंदू को पहचानने के लिए नई कसौटियां बनाईं। जो उन कसौटियों पर पूरा नहीं उतरता था उसे हिंदू की श्रेणी से बाहर कर दिया गया। इनमें से एक कसौटी ब्राह्मण को लेकर थी। जनगणना करने वाले अधिकारी घर में जाकर पूछते थे कि आपके जीवन के दैनिक व्यवहार, कर्मकांड में ब्राह्मण का कोई स्थान है? यदि उत्तर नकारात्मक है तो तुरंत उस व्यक्ति को हिंदू समाज से बाहर कर दिया गया। जो हिंदू समाज जाति व्यवस्था से संचालित है, उस हिंदू समाज में तो ब्राह्मण की स्थिति पर बात की जा सकती है, लेकिन जो हिंदू जाति व्यवस्था से संचालित ही नहीं है, उनकी व्यवस्था में ब्राह्मण की स्थिति का प्रश्न कहां पैदा होता है? वह कर्मकांड के लिए ब्राह्मण को क्यों आमंत्रित करेगा? ब्रिटिश सरकार ही नहीं, देश के समाजशास्त्री अच्छी तरह जानते हैं कि ब्राह्मण जाति का अस्तित्व हिंदू समाज के केवल उस हिस्से में है जो जाति व्यवस्था से बंधा है। हिंदू समाज का बहुत बड़ा हिस्सा जाति व्यवस्था के अंतर्गत आता ही नहीं है, इसलिए वहां ब्राह्मण से जुड़े हुए जितने कर्म गिनाए गए हैं, उन सभी का अस्तित्व हो ही नहीं सकता। लेकिन ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने बड़ी होशियारी से जाति व्यवस्था से न संचालित होने वाले हिंदू समाज को गैर हिंदू ही घोषित कर दिया।

इन मानदंडों में से एक मानदंड यह भी था कि क्या आप हिंदू देवी-देवताओं की पूजा करते हैं? जनगणना विभाग ने गॉड्स शब्द का इस्तेमाल किया है, लेकिन हम मान लेते हैं कि इसमें देवी-देवता दोनों ही शामिल हैं। लेकिन मूल प्रश्न है कि यह कैसे पता चलता है कि कोई देवी-देवता हिंदू है या नहीं? हिंदू गॉड्स की क्या अवधारणा है? शायद ब्रिटिश उपनिवेशवादियों का किसी से भी यह प्रश्न पूछते समय भाव यह रहा होगा कि जिन देवी-देवताओं की पूजा भारतीय/हिंदू करते हैं, उनकी पूजा आप भी करते हैं। यह ऐसा प्रश्न है जिसका कोई निश्चित उत्तर नहीं है। आज भी यदि गणना की जाए तो भारतीय/हिंदू समाज में पूजे जाने वाले देवी-देवताओं के नामों की ही सूची तैयार करनी हो तो उसकी संख्या करोड़ों को पार कर जाएगी। इस समाज में ग्राम देवता की अवधारणा है।

यह अवधारणा पूरे भारतीय समाज में मोटे तौर पर अभी भी प्रचलित है। हर गांव का एक अपना देवता भी है। इसका अर्थ हुआ जितने गांव उतने देवता। यह मामला ऐसा है कि एक स्थान का हिंदू यह नहीं जानता कि पांच सौ कोस दूर रहने वाला हिंदू किस देवता की पूजा कर रहा है। बहरहाल, जाहिर है विभाजन का यह तरीका अवैज्ञानिक था, लेकिन ब्रिटिश अधिकारियों को इन प्रश्नों की चिंता नहीं थी। उन्हें हिंदू/भारतीय समाज को छोटे-छोटे समुदायों में विभाजित कर उनकी अलग-अलग पहचान स्थापित करनी थी। पश्चिमी शासकों और समाजशास्त्रियों ने हिंदू की पहचान के जो पैमाने निश्चित किए, आज भारत के समाजशास्त्री भी उन्हीं पैमानों के आधार पर भारतीय/हिंदू समाज को समझने के लिए प्रयोग कर रहे हैं। उसके परिणाम सामने आ ही रहे हैं।

खेल भावना में राष्ट्र प्रथम सर्वोपरि रहे

जरूरत है खिलाड़ियों को अच्छे खेल प्रशिक्षक, बेहतरीन खेल सुविधाएं मिलें, अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल उपकरण, पौष्टिक खाना, सुरक्षित भविष्य की गारंटी और रहने-ठहरने का सुरक्षित परिवेश मिले तो हमारे खिलाड़ी भी किसी से उन्नीस साबित नहीं होंगे। खेलों को यदि रोजगार प्रदाता क्षेत्र के रूप में भी देखें तो भारत में खेलों को बढ़ावा देने से 4371675 रोजगार के अवसर बन सकते हैं।

विश्व में प्राय: खेलों की अनेक प्रतिस्पधाएं प्रतिवर्ष अलग-अलग नामों से आयोजित की जाती हैं, जिनमें ओलंपिक खेलों को खेलों के महाकुंभ का दर्जा दिया गया है। विश्व के प्रत्येक खिलाड़ी का सपना इन खेलों में भाग लेकर अपने तथा अपने राष्ट्र के लिए पदक जीतना रहता है। जुआन एंटोनियो समारांच अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के पूर्व अध्यक्ष के अनुसार, खेल मित्रता है, खेल स्वास्थ्य है, खेल शिक्षा है, खेल जीवन है और खेल विश्व को एक साथ लाते हैं। प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस 23 जून को मनाया जाता है। इस बार 2024 में इस दिवस का विषय चलो चलें और जश्न मनाएं (लेट्स मूव एंड सेलिब्रेट)था। अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का पदक तालिका में प्रदर्शन कोई ज्यादा उत्साहवर्धक नहीं रहा है। भारत का ओलंपिक खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हॉकी में रहा है जिसमें भारत ने 8 बार स्वर्ण पदक जीते हैं। पिछले टोक्यो ओलंपिक में हमारा 48वां स्थान था जबकि इस बार खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं तैयारियों पर लगभग 500 करोड़ रुपए खर्च किए गए। पेरिस ओलंपिक में 117 सदस्यीय खिलाड़ियों की टीम वाले भारत ने केवल छह पदक जीते हैं, जिनमें एक रजत और पांच कांस्य शामिल हैं। वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका 40 स्वर्ण, 44 रजत, 42 कांस्य पदकों और कुल 126 पदकों के साथ पहले स्थान पर रहा। अगले 34वें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन 2028 में अमरीकी शहर लॉस एंजिल्स में होगा। ओलंपिक खेलों का इतिहास काफी पुराना है, लगभग 1200 वर्ष पूर्व प्राचीन ओलंपिक खेलों का आयोजन करवाया गया था। चूंकि यह खेल यूनान की राजधानी एथेंस के निकट ओलंपिया पर्वत के आसपास आयोजित किए गए थे, इसलिए 1896 में पुन: शुरू हुई इन खेलों का नाम भी ओलंपिक खेल रखा गया था, जिसमें उत्तरोत्तर बदलावों को लाकर इन खेलों को बेहद आकर्षक, रोमांचक एवं प्रतिस्पर्धात्मक बनाया जाता रहा है। ओलम्पिक खेलों के जनक बेरोंन पियरे डी कोबर्टीन के सुझाव पर 1913 में ओलम्पिक ध्वज का सृजन हुआ था और जून 1914 में इसका विधिवत उद्घाटन पेरिस में हुआ था। इस ध्वज को सर्वप्रथम 1920 के एंटवर्प ओलम्पिक में फहराया गया। ध्वज की पृष्ठभूमि सफेद है, सिल्क के बने ध्वज के मध्य में ओलम्पिक प्रतीक के रूप में पांच रंगीन एक-दूसरे से मिले हुए छल्ले दर्शाए गए हैं, जो विश्व के 5 महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करने के साथ ही निष्पक्ष एवं भेदभाव से मुक्त स्पर्धा का प्रतीक भी हैं। नीला चक्र यूरोप, पीला चक्र एशिया, काला चक्र अफ्रीका, हरा चक्र ऑस्ट्रेलिया और लाल चक्र उत्तरी एवं दक्षिणी अमरीका महाद्वीपों को दशार्ता है।

यूक्रेन को यकीन दिलाने की यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन यात्रा को दुनिया के कई हिस्सों में बहुत करीब से देखा जा रहा है। खुद कीव भी इस यात्रा को लेकर काफी उत्साहित है, क्योंकि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यूक्रेन यात्रा है। उल्लेखनीय यह भी है कि जुलाई में जब प्रधानमंत्री रूस में थे, तब यूक्रेन ने उनकी आलोचना की थी। उसका कहना था कि मॉस्को जब कीव पर इतनी बर्बरता कर रहा है, तो भारत भला कैसे उसे अपना समर्थन दे सकता है? जाहिर है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूक्रेन पहुंचकर उसकी यह शिकायत दूर कर रहे हैं कि मॉस्को से पुरानी दोस्ती के कारण रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत एकतरफा भूमिका निभाता दिख रहा है।

देखा जाए, तो इस युद्ध को लेकर भारत का मत शुरू से ही स्पष्ट रहा है। हम युद्ध का अंत बातचीत की मेज पर चाहते हैं और संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता जैसे अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी सिद्धांतों को हर हाल में सुनिश्चित करना चाहते हैं। भारत ने सार्वजनिक तौर पर भले रूस की आलोचना नहीं की, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी मॉस्को यात्रा में सबके सामने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यह जरूर कहा कि यह समय युद्ध का नहीं है और हमें भू-राजनीतिक मसलों का हल गोली-बारूद से नहीं निकालना चाहिए। भारत चूंकि दोनों पक्षों में आपसी बातचीत के जरिये युद्ध का समाधान चाहता है, इसलिए 15-16 जून, 2024 को स्विट्जरलैंड में यूक्रेन मसले का हल निकालने के लिए बुलाए गए अंतरराष्ट्रीय शांति शिखर सम्मेलन में हमने हिस्सा नहीं लिया, क्योंकि उसमें रूस को नहीं बुलाया गया था। प्रधानमंत्री की रूस यात्रा का भी जब पश्चिमी देश विरोध कर रहे थे, तब भी हमने यही कहा था कि भारत इस युद्ध को लेकर अपने स्थापित सिद्धांत पर ही आगे बढ़ रहा है और हम किसी के दबाव में अपनी विदेश नीति नहीं तय करते।

बहरहाल, यूक्रेन यात्रा से पहले प्रधानमंत्री पोलैंड में थे, जहां उन्होंने व्यापार, तकनीक और रक्षा संबंधों का खास तौर पर जिक्र किया। उन्होंने वहां भारतवंशियों से भी मुलाकात की और पोलैंड को लेकर नई नीतियों का खाका खींचने पर जोर दिया। यह करना जरूरी भी था, क्योंकि पोलैंड मध्य यूरोप का एक अहम देश है। तेज विकास दर के कारण इसे पश्चिम की टाइगर इकोनॉमी कहा जाता है और यूरोप में इसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। यह अंतरराष्ट्रीय मसलों पर यूरोप के पारंपरिक रुख से इतर अपनी राय रखता है। यूक्रेन संकट पर भी यह लगातार मुखर है और यूरोप के अगुवा देशों में स्थान बनाने को तत्पर है। चूंकि मध्य यूरोप भारत के लिए अहमियत रखता है, इसलिए पोलैंड के साथ करीबी हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। भू-राजनीति भी हमें पोलैंड के नजदीक ले जाती है।

उल्लेखनीय है कि भू-राजनीतिक मसलों पर भारत सिर्फ अपना हित नहीं देखता, बल्कि विकासशील व गरीब देशों का रुख भी सामने रखता है। यही कारण है कि हम वैश्विक दक्षिण, यानी ग्लोबल साउथ की मजबूत आवाज बन रहे हैं। चाहे यूक्रेन संकट हो या इजरायल-हमास युद्ध, भारत का रुख इस दायित्व से भी प्रभावित रहा है। इस समय जब दुनिया के तमाम बड़े देश आपस में जूझ रहे हैं, तब गरीब व विकासशील देशों की आवाज बमुश्किल वैश्विक मंचों पर जगह बना पा रही है। ऐसे में, अंतरराष्ट्रीय जगत में अपने बढ़ते कद का लाभ उठाकर भारत उनकी स्वाभाविक सशक्त आवाज बन रहा है। यूक्रेन युद्ध को जल्द खत्म कराने को लेकर भारत यदि तत्परता दिखा रहा है, तो उसकी एक वजह उस पर ग्लोबल साउथ की महती जिम्मेदारी का होना है।

कहा यह भी जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन किसी खास शांति मिशन के तहत जा रहे हैं। ऐसा कहने वाले इस तथ्य से अनजान हैं कि इस युद्ध को लेकर भारत का नजरिया स्पष्ट है। वह इसके तमाम भागीदारों को बातचीत की मेज पर बिठाकर मामला सुलझाने का पक्षधर है। हां, नई दिल्ली इस बात से भी वाकिफ है कि अगर यह संकट और लंबा चला, तो इसका जो प्रतिकूल असर विकासशील देशों व ग्लोबल साउथ पर हो रहा है, उसे नजरंदाज करना मुश्किल हो जाएगा। इसके साथ-साथ, भारत यह भी स्पष्ट करना चाहता है कि वह किसी के दबाव में नीतियां नहीं बना रहा। अपने सामरिक, आर्थिक और रक्षा संबंधों को बरकरार रखते हुए प्रधानमंत्री मोदी यदि रूस जा सकते हैं, तो पोलैंड और यूक्रेन जाकर वह यह भी संदेश देने से नहीं चूकना चाहते कि दोनों पक्षों से वह लगातार संपर्क में हैं। असलियत भी यही है कि भारत उन चंद देशों में एक है, जिसके तार सभी तरफ से जुड़े हुए हैं। हम पश्चिमी देशों के भी उतने ही करीब हैं, जितने रूस के। भारत मौजूदा ध्रुवीकरण को पाटने की हरसंभव कोशिश कर रहा है, जिसका नमूना हमें प्रधानमंत्री की पोलैंड और यूक्रेन यात्रा में दिख रहा है।

यहां गुटनिरपेक्षता जैसे सिद्धांत बेमानी साबित हो रहे हैं। वैसे, इस नीति को भारत काफी पहले तिलांजलि दे चुका है। गुटनिरपेक्षता के मुताबिक, हम किसी भी गुट में शामिल नहीं होंगे और किसी समूह के साथ घनिष्ठ संबंध नहीं बनाएंगे, लेकिन अब तो भारत हर किसी के साथ करीबी रिश्ता रखना चाहता है। रूस-यूक्रेन मामले में ही हम मॉस्को के साथ तमाम तरह की आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियां बनाकर रखे हुए हैं, जबकि यूक्रेन की मदद करती पश्चिमी ताकतों के साथ भी हमारा बहुमूल्य गठबंधन बदस्तूर जारी है।

वास्तव में, यही मौजूदा दौर की राजनीति है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले एक दशक में अच्छी-खासी मजबूती दी है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह हुआ है कि भारत को लेकर अब दुनिया भर की अपेक्षाएं बढ़ गई हैं और नई दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गंभीरता से सुना जाने लगा है। हमारी कई मामलों में चीन के साथ तुलना की जाती है, लेकिन भारत की स्पष्टवादिता अंतरराष्ट्रीय जगत में इसे खास और चीन से अलग बना देती है।

इस रुतबे का हमें इस्तेमाल करना चाहिए। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन यात्रा का महत्व बढ़ जाता है, क्योंकि उनकी रूस यात्रा में कुछ ऐसी प्रतिकूल टिप्पणियां भी आई थीं, जिनको नकारना आवश्यक था। प्रधानमंत्री मोदी की यूरोप-यात्रा इसी ताकत को मजबूत करने की एक संजीदा कोशिश है।

पॉलीथिन पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने के लिए गौ रक्षकों ने निकली रैली

तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ ।
शिवपुरी, शिवपुरी जिले के खनियांधाना में सैकड़ो गौ रक्षकों ने नगर के प्रमुख रास्तों से होते हुए नगर परिषद और तहसील कार्यालय में पहुंचकर पॉलीथिन पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने के लिए सीएमओ और तहसीलदार को ज्ञापन दिया ज्ञापन में मांग की गई है कि नगर के दुकानदारों द्वारा पॉलीथिन का उपयोग खुलेआम किया जा रहा है और उपयोग के बाद पॉलीथिन खुले में सड़क पर फेंक दी जाती है जिससे आवारा जानवर इसका सेबन करते है जिसके कारण जानवरों की मृत्यु हो रही है आपको बता दें कि कल रात्रि में भी एक गाय के बीमार होने की सूचना गौ रक्षकों को मिली जिस पर गौ रक्षकों ने पशु चिकित्सालय ले जाकर गाय का उपचार कराया पर गाय को बचा न सके जिससे गुस्साए सैकड़ो गौ रक्षकों ने गाय

के शव को हांथ ठेले पर रखकर नगर के प्रमुख रास्तों से नारे लगाते हुए नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर मुख्य लेखापाल को ज्ञापन सौंपा और कहा कि नगर में एलाउंस कराकर पॉलीथिन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित कराई जाए और जिस दुकानदार द्वारा ऐसा नही किया जाए तो उस पर अर्थ दंड लगाया जाए इसके बाद सभी लोग तहसील कार्यालय पहुंचे जहां प्रदेश सरकार के नाम तहसीलदार शिवम उपाध्याय को भी ज्ञापन सौंपा और मांग की गई कि नगर में आये दिन हो रहीं गायों की मृत्यु को रोकने के लिए पॉलीथिन पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया जाए और इसका कठोरता से पालन कराया जाए साथ ही नगर में एक भव्य गौशाला का निर्माण कराया जाय इसके बाद नगर परिषद कर्मचारियों ने मृत गाय को दफनाया और उस स्थान पर एक पेड़ भी लगाया।

बड़ोदिया महाविद्यालय में मनाया गया अंतरिक्ष दिवस

विद्यार्थियों के समक्ष मिशन चंद्रयान - 3 की सफलता के ऐतिहासिक क्षणों की रिकॉर्डिंग का प्रसारण किया गया

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, शासन के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय, मोहन बड़ोदिया में दिनांक 21, 22 एवं 23, अगस्त को तीन दिवसीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस, 2024 समारोह आयोजित किया गया। जैसा कि विदित है, देश के अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) के मिशन चंद्रयान-3 की सफलता के ऐतिहासिक क्षण की स्मृति में भारत शासन द्वारा प्रति वर्ष 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने की घोषणा की गई है। इसी उपलक्ष्य में महाविद्यालय में दिनांक 21, अगस्त को कार्यक्रम के औपचारिक शुभारंभ के पश्चात मिशन चंद्रयान-3 पर विद्यार्थियों के बीच पोस्टर रचना प्रतियोगिता आयोजित की गई। 22 अगस्त को इसी उपलक्ष्य में अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर एक विशेष व्याख्यानमाला

आयोजित की गई, जिसमें आयोजन प्रभारी डॉक्टर अंजनी कुमार तिवारी ने मिशन चंद्रयान पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया। 23 अगस्त, 2024 को अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के औपचारिक शुभारंभ के पश्चात, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एस. के. तिवारी द्वारा अतरिक्ष अनुसंधान संस्थान की कार्यप्रणाली तथा अंतरिक्ष मिशन की प्रक्रिया से विद्यार्थियों को अवगत करवाया गया। तत्पश्चात डॉ. केशव शर्मा ने अपने उद्बोधन में प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय वैज्ञानिक - ऋषियों के अनुसंधान एवं उपलब्धियों पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इसके पश्चात विद्यार्थियों के समक्ष मिशन चंद्रयान - 3 की सफलता के ऐतिहासिक क्षणों की रिकॉर्डिंग का प्रसारण किया गया। साथ ही इस अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता के परिणाम भी जारी किए गए, जिसमें बीए प्रथम वर्ष की छात्रा अभिलाषा पाटीदार ने प्रथम, द्वितीय वर्ष की छात्रा पायल सूर्यवंशी एवं करीना मालवीय ने द्वितीय, तृतीय वर्ष की छात्रा प्रियंका राव एवं द्वितीय वर्ष की छात्रा मनीषा सूर्यवंशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि छात्र आशिक चौखुटिया को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। अंत में गोपाल वर्मा ने उपस्थित स्टाफ एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। संचालन डॉ. अंजनी कुमार तिवारी ने किया। कार्यक्रम में आईक्यूएसी प्रभारी श्रीमती सौम्या सिंह तोमर, डॉक्टर वंदना मंडोर, श्री अभय भोंसले, डॉ. राजकुमार सूत्रकर, सायरा बानो खान, जितेंद्र विश्वकर्मा एवं मोहन सूर्यवंशी सहित, बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

घर से लापता युवती की कुए में मिली लाश

पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, घर से लापता युवती का शव गांव के कुए से बरामद हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार तम्मू पिता कन्हैयालाल उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम बाईहेड़ा घर से लापता थी, जिसकी गुमशुदगी परिजनों ने थाना कोतवाली पर गुरुवार को दर्ज कराई थी। साथ ही परिजनों को संदेह था कि युवती ने कहीं आत्महत्या न करली हो, जिसको लेकर शुक्रवार को होमगार्ड दल ने गांव के कुएं में सर्चिंग की। डिस्ट्रिक्ट कमांडेड विक्रमसिंह ने बताया कि तीन कुओं में सर्चिंग के दौरान एक कुए में वाटर कैमरे से तलाश करने पर युवती के पैर नजर आए, इसके बाद शव को कुए से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम हेतु शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया। वहीं बताया जा रहा है कि पुलिस को सुसाईड नोट मिला है जिसमें युवती ने कैंसर की बीमारी से पीड़ित होकर आत्महत्या करने की बात कही है। हालांकि पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

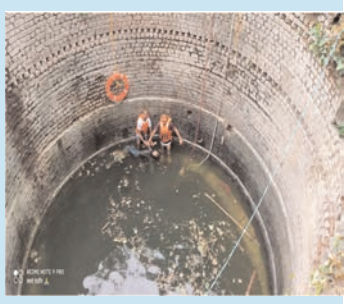

बीमारी से परेशान होमगार्ड जवान ने करा आत्महत्या का प्रयास

गटकी सल्फास, हालत गंभीर होने पर इंदौर रैफर

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, कलेक्टर कार्यालय के बाहर चौकी में पदस्थ होमगार्ड जवान ने सल्फास गटक ली, जिसे उपचार के बाद रैफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शाजापुर कलेक्टर कार्यालय के बाहर मौजूद चौकी में होमगार्ड जवान ओमप्रकाश पिता कन्हैयालाल सूर्यवंशी पदस्थ है। शुक्रवार को ड्यूटी के दौरान होमगार्ड जवान ओमप्रकाश ने चर्म रोग से परेशान होकर सल्फास का सेवन कर लिया। जवान को गिलास में सल्फास मिलाकर सेवन करता देखने पर मौके पर मौजूद परिचित ने तुरंत ही उसे उपचार हेतु शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने होमगार्ड जवान को इंदौर रैफर कर दिया। सूत्रों के अनुसार ओमप्रकाश कई वर्षों से चर्म रोग से पीड़ित है और इसीको लेकर वह परेशान रहता है। इलाज के बावजूद रोग ठीक नही होने पर उसने ड्यूटी के दौरान आत्महत्या करने का प्रयास किया।

पैगम्बर साहब पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में मुस्लिम समाज ने सौंपा ज्ञापन

अभद्र टिप्पणी करने वाले को शीघ्र गिरफ्तार कर दंडित किया जाने की मांग की

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, महाराष्ट्र स्थित नासिक के गांव पांचनाले में इस्लाम धर्म के प्रवर्तक पैगम्बर साहब पर अभद्र टिप्पणी कर धार्मिक भावनाओं को ठेंस पहुंचाने के विरोध में मुस्लिम समाज ने शाजापुर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। शुक्रवार को मुस्लिम समाजजन कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और यहां राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर बताया कि इस्लाम धर्म के प्रवर्तक पैगम्बर साहब पर अभद्र, अशोभनीय और अपमानजनक टिप्पणी कर इस्लाम धर्म को मानने वालों की आस्था को गहरा आघात पहुंचाया गया है। इस आपराधिक कृत्य से मुस्लिम समाज के सभी तबकों में आक्रोश व्याप्त है। भारत में लोकतंत्र और संविधान पर प्रत्येक नागरिक की गहरी और मजबूत आस्था है। राष्ट्रपति इसकी रक्षक होने के साथ न्याय की प्रक्रिया का पालन कराने के लिए सर्वोच्चय अधिकार प्राप्त हैं। ऐसे में देश के नागरिकों की सामाजिक, धार्मिक आस्थाओं से खिलवाड़ कर समाज में वैमनस्यता पैदा करने वाले तत्वों पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। ज्ञापन में मांग की गई कि पैगम्बर साहब पर अभद्र टिप्पणी करने वाले को शीघ्र गिरफ्तार कर दंडित किया जाए। ज्ञापन देते समय बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थे।

मिशन अंकुर अंतर्गत कक्षा तीन के शिक्षकों का शैक्षिक संवाद आयोजित

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, मिशन अंकुर कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 3 में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान कौशल विकास कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थियों की दक्षता का आंकलन करने संबंधी टूल की समझ, जुलाई माह में लिए गए टेस्ट का विद्यालयवार विश्लेषण, अगस्त माह के टेस्ट की तैयारियों को लेकर जनशिक्षा केंद्र उमावि क्रमांक 2, एएमएलबी के एफ एलएन शिक्षकों का शुक्रवार को शैक्षिक संवाद का आयोजन संकुल प्राचार्य पूनम त्रिवेदी के

मार्गदर्शन में सोमवारिया बाजार स्थित एमएलबी नवीन भवन में किया गया। इस दौरान शिक्षकों की एफएलएन अध्यापन संबंधी कठिनाईयों तथा अध्ययन अध्यापन में आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। भाषा एवं संख्या ज्ञान के टूल कीट के माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थियों को ट्रेक करने की कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा की गई। संवाद में डीआरजी जगदीश भावसार, गोपाल कुंभकार, जनशिक्षक शिवनारायण कराड़ा, श्याम परमार ने कक्षा 3 के एफ एलएन शिक्षण पर आवश्यक मार्गदर्शन शिक्षकों को दिया। इस दौरान शिक्षकों से केस स्टडी से लेकर प्री टेस्ट एवं पोस्ट टेस्ट लिया गया। वहीं जनशिक्षक लोकेश राठौर ने कक्षा 3, 6 में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे की विद्यालयवार तैयारियों की समीक्षा कर विद्यार्थियों के सतत् साप्ताहिक टेस्ट, मॉक टेस्ट लेकर उनके अभिलेख संधारण के संबंध में शिक्षकों को मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में दोनों केंद्रो के करीब 50 से अधिक शिक्षकों ने सहभागिता की।

बंजारा समाज ने आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर निकली रैली

करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष और कांग्रेस नेता के विरुद्ध सौंपा ज्ञापन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष और कांग्रेस नेता के द्वारा बंजारा समाज को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में शाजापुर बंजारा समाज ने नाराजगी जाहिर करते हुए ज्ञापन सौंपा। शुक्रवार को बंजारा समाज ने रैली निकालकर ज्ञापन सौंपा और बताया कि करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिवप्रतापसिंह और कांग्रेस नेता हेमंतसिंह चौहान निवासी पिपलिया हेमा के द्वारा भेरूगढ़ थाने में पुलिस के सामने बंजारा समाज का नाम

लेकर गाली दी गई, जिससे समाज की प्रतिष्ठा धुमिल हुई है। ज्ञापन में मांग की गई कि करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष और कांग्रेस नेता समाजजनों से माफी मांगें अन्यथा आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन देते समय बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थे।

सीवरेज का पानी नदी में नहीं छोड़े-कलेक्टर

नगरीय निकायों में एमपीयूडीसी से संबंधित स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, नगरीय निकायों में एमपीयूडीसी से संबंधित स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्टर ऋजु बाफना की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कलेक्टर ने एमपीयूडीसी के अधिकारी को निर्देश दिए कि नगरीय निकायों में स्वीकृत कार्यों में तेजी लाएं तथा निर्धारित समयसीमा में कार्यों को पूर्ण कराएं। साथ ही कलेक्टर ने सीएमओ नगरपालिका को निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में नदी में सीवरेज का पानी नहीं छोड़ें। सीवरेज का पानी वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट डब्ल्यूटीपी में भेजें। उन्होने निर्माण ऐजेंसियों, ठेकेदारों आदि से वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट डब्ल्यूटीपी शाजापुर से निर्माण कार्यों में पानी लेने के लिए कहा। साथ ही खेती के लिए स्लज लेने के लिए किसानों को प्रेरित करने के लिए कहा। सीएमओ शाजापुर ने

बताया कि वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट डब्ल्यूटीपी शाजापुर से यदि कोई ठेकेदार नगरपालिका के टेंकर के माध्यम से पानी लेता है तो 200 रुपये शुल्क एवं यदि ठेकेदार स्वयं के टेंकर से पानी लेता है तो 100 रुपये शुल्क निर्धारित है। इसी तरह यदि किसान स्वयं की ट्रॉली के माध्यम से एक ट्रॉली स्लज का शुल्क 100 रुपये और नगरपालिका की ट्रॉली के माध्यम से एक ट्रॉली स्लज लेते हैं तो 200 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। इसकी बुकिंग एवं हेल्पलाइन नंबर 07364-299445 है। बैठक में जानकारी दी गई कि नगर पालिका शाजापुर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, सीवरेज पंपिंग स्टेशन, सीवरेज नेटवर्क, मेन होल, हाऊस सर्विस चेम्बर आदि योजना से संबंधित 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुके हैं एवं वर्तमान में 7.5 एमएलडी सीवरेज का ट्रीटमेंट किया जा रहा है। इसी तरह नगर परिषद कालापीपल में जल प्रदाय योजना के 79.6 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गए हैं।

डीएम मनीष बंसल ने पुलिस भर्ती परीक्षा के तहत बने कन्ट्रोल रूम को देखा

कडी सुरक्षा के बीच नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए प्रशासन दृढ संकल्पित :- डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, सहारनपुर जनपद में सुबह 10:00 बजे से यूपी पुलिस अभ्यर्थियों की परीक्षा शांतिपूर्वक शुरू हो चुकी है। सभी परीक्षा केंद्रों पर प्रशासन एवं पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं। डीएम मनीष बंसल ने सुबह ही पुलिस लाईन में बने कन्ट्रोल रूम में लाईव फीड के माध्यम से विभिन्न परीक्षा केंद्रों के कक्षों का जायजा लिया जिससे कि नकल विहीन और शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न कराई जा सके। उन्होंने परीक्षा डयूटी में लगे सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सौंपे गये उत्तरदायित्वों का भली प्रकार से निर्वहन करें। जनपद में उत्तर

प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती के लिए अभ्यर्थियों का आने का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया। सभी अभ्यर्थी समय से पहले ही अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंच गए। परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन के बाद ही अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में एंट्री मिली। प्रशासन एवं पुलिस की व्यवस्थाओं के पहले दिन की परीक्षा अपने निश्चित समय पर शांतिपूर्ण तरीके से शुरू होने के साथ ही सम्पन्न हुई। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि जनपद में पुलिस भर्ती के लिए बनाए गये 25 केन्द्रों पर प्रथम पाली की परीक्षा सकुशल, नकलविहीन एवं शांतिपूर्वक ढंग से सम्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास पुलिस बल की तैनाती की गई है। परीक्षा पर नजर रखने के लिए जोनल, सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की गई है। अभ्यर्थियों के सुगम आवागमन के लिए रोडवेज एवं रेलवे के अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया है। इसके लिए स्टेशन एवं बस अड्डों पर हेल्प डेस्क स्थापित की गयी है। होटल व धर्मशालाओं के संचालकों को कहा गया है कि परीक्षार्थियों को प्राथमिकता से एवं उचित दर पर ठहरने की व्यवस्था की जाए। ऑटो एवं ई-रिक्शा एसोसिएशन से वार्ता कर यह सुनिश्चित कराया जा रहा है कि किसी से भी अनुचित किराया न लिया जाए। जनपद में यूपी पुलिस की भर्ती परीक्षा 05 दिन और 10 पालियों में संपन्न कराई जाएगी। जिसमें 01 लाख से अधिक संख्या में अभ्यर्थी भाग ले रहे हैं। यदि इस दौरान परीक्षा केंद्र के आसपास कोई भी कोई व्यक्ति संदिग्ध गतिविधि करता नजर आता है तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

इंद्रप्रस्थ कॉलेज की छात्रा नीशु कराटे प्रतियोगिता में राष्ट्रीय खेलों के लिए चयनित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर । नागल, इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, सहारनपुर की बीपीईएस विभाग की छात्रा नीशु ने ऑल इण्डिया कराटे प्रतियोगिता, पंचकुला में राष्ट्रीय खेलों के लिए चयनित हो गई हैं। कॉलेज की निदेशक, डॉ. अंजू वालिया ने नीशु की सराहना करते हुए कहा कि वह एक प्रतिभाशाली छात्रा हैं, जिसने अतीत में भी कई पुरस्कार जीते हैं। हम गर्वित हैं कि वह हमारे संस्थान का हिस्सा हैं। बीपीईएस विभाग के प्रमुख, भूपेंद्र सिंह ने कहा कि नीशु की यह सफलता न केवल हमारे कॉलेज के लिए, बल्कि पूरे जिले के लिए भी गर्व का विषय है। संस्था के चेयरमैन डॉ. एस.सी. कुलश्रेष्ठ ने निशु की अद्वितीय उपलब्धि पर एक विशेष पुरस्कार की घोषणा की तथा कहा कि यह उपलब्धि हमारे कॉलेज की शिक्षा की गुणवत्ता और हमारे छात्रों की मेहनत की पुष्टि करतीहै। उन्होंने कहा कि वह और भी उच्च शिखर पर पहुंचे।

अबकी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के तेवर और रणनीति बदली हुई दिखी

सुरेंद्र सिंघल / गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर/मुजफ्फरनगर (मीरापुर), उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिनके कंधों पर 10 सीटों के आसन्न विधानसभा उपचुनाव को जिताने की जिम्मेदारी है। अबकी जब वह सहारनपुर के एक दिवसीय दौरे पर सहारनपुर मंडल में आए तो उनके तेवर और रणनीति बिल्कुल बदले हुए दिखे। इसकी एक बड़ी वजह उपचुनावों को माना जा रहा है। सहारनपुर, कैराना और मुजफ्फरनगर तीनों लोकसभा सीटें हारने से भाजपा के कार्यकर्त्ताओं का मनोबल गिरा हुआ है और आपसी कलह एवं फूट सतह पर आ गई है। 10 सीटों में से तीन सीटें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हैं। जहां कि तीनों लोकसभा सीटें भाजपा और लोकदल गठबंधन की झोली में गई थी। मीरापुर सीट बिजनौर लोकसभा क्षेत्र में आती है जहां से युवा गुर्जर नेता रालोद की युवा शाखा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदन चौहान ने शानदार जीत दर्ज की और अपने खिलाफ खड़े तगड़े उम्मीदवारों को आसानी से परास्त कर दिया। उनके इस्तीफा देने से ही मीरापुर सीट खाली हुई है। इस सीट पर भी उन्होंने अच्छी बढ़त हासिल की थी। यह सीट उनके परिवार की परंपरागत सीट भी है। इसी तरह गाजियाबाद लोकसभा सीट भी भाजपा के अतुल गर्ग ने जीती थी। वहां भी विधानसभा का उपचुनाव होना है। मुख्यमंत्री आज गाजियाबाद के दौरे पर हैं और तीसरी सीट खैर आरक्षित सीट है जहां के विधायक राजस्व राज्यमंत्री अनूप बाल्मिकी हाथरस से भाजपा के सांसद चुने गए।

मुख्यमंत्री ने अपने इस दौरे के दौरान कार्यकर्त्ताओं के असंतोष और नाराजगी दूर करने का प्रयास किया। उन्हें अनुशासित होकर विपक्ष पर करारे हमले करने का मंत्र दिया। उन्होंने दोनों जगह कार्यकर्त्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि हमें बेकफुट पर जाने की जरूरत नहीं है बल्कि विपक्ष के कारनामों की पोल खोलने की

जरूरत है। दोनों जगह मुख्यमंत्री ने मीडिया के असहज सवालों से बचने के लिए उनसे पूरी तरह से दूरी बनाई और कार्यकर्ताओं को भी कड़ी नसीहत दी कि वे बाहर जाकर मीडिया को कुछ ना बताए। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्त्ताओं के बीच ही सपा पर तीखे हमले बोलते हुए कहा कि अयोध्या, गोमती नगर और कन्नौज की घटनाएं इशारा करती हैं कि सपा का नवाब ब्रांड है। सपा मुखिया दुष्कर्मियों और कलकत्ता मामले में ममता बनर्जी सरकार का बचाव कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव में भी सपा-कांग्रेस ने आरक्षण खत्म करने और संविधान बदलने का झूठा प्रचार कर भ्रम पैदा किया था। जिसका भाजपा को नुकसान उठाना पड़ा। सहारनपुर में योगी आदित्यनाथ ने एक रणनीति के तहत चार अलग-अलग स्थानों पर भाजपा के चार वर्गों के नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने संगठन के पूर्व पदाधिकारियों से सरसावा हवाई अड्डे पर दल-बदलकर भाजपा में आए पूर्व विधायकों एवं पूर्व मंत्रियों से पुलिस लाइन हैलीपेड पर मुलाकात की। संगठन के पदाधिकारियों और संघ विचारधारा के लोगों से पुलिस सभागार में इत्मिनान और लगाव के साथ भेंट की और जनप्रतिनिधियों एवं जिले के मंत्रियों को अपने साथ प्रशासनिक बैठक में शामिल रखा। सहारनपुर दौरे में लोकदल को दौरे से दूर रखा गया जबकि मीरापुर में लोकदल को ज्यादा तवज्जो दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने 35 मिनट के संबोधन में सात बार से ज्यादा सांसद चंदन चौहान का नाम लिया और उनके द्वारा प्रस्तावित सड़कों के निर्माण एवं मोरना चीनी मिल के विस्तारीकरण की घोषणा की। उन्हीं के क्षेत्र में पड़ने वाले शुकतीर्थ के बारे में मुख्यमंत्री ने शुकतीर्थ के विकास के बारे में सैकड़ों करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। खास बात यह थी कि मीरापुर की बैठक के मंच पर योगी सरकार में शामिल रालोद कोटे के काबिना मंत्री अनिल कुमार, भाजपा कोटे से राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, ऊर्जा राज्यमंत्री सोमेंद्र तोमर, राज्यमंत्री जेपी मलिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान पर तरजीह देते हुए सांसद चंदन चौहान को ही बोलने का मौका दिया गया।

मुख्यमंत्री ने इस दौरे में युवाओं के रोजगार को खास तवज्जो दी और कहा कि उनकी सरकार नौजवानों को काम और महिलाओं को सुरक्षा देने को विशेष रूप से प्राथमिकता देगी। मीरापुर क्षेत्र में जहां उपचुनाव होना है वहां 38 सड़क मार्गों का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए चंदन चौहान ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और उन्होंने भरोसा दिया कि मीरापुर सीट को जीतकर वह मुख्यमंत्री की झोली में डालने का काम करेंगे।

सूने घर को चोरो ने बनाया निशाना

7 लाख के जेवर सहित नगदी किया पार

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ।

अनूपपुर, कोतवाली थाना क्षेत्र लगातार सूने घर में चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही है, जिसे रोक पाने में पुलिस नाकाम साबित हो रही है। जहां पॉलीटेक्निक कॉलेज के पास सारिका पटेल के सूने घर का ताला तोडक़र अज्ञात चोरो द्वारा लगभग 7 लाख के चोरी की घटना की घटना को अंजाम दिया गया है। वहीं 11 अगस्त को वार्ड क्रमांक 13 बस्ती रोड पुलिस कॉलोनी अनूपपुर के पास स्थित दीपक सोनी के सूने मकान का ताला तोडक़र अज्ञात चोरो द्वारा लगभग 25 लाख के सोने चांदी सहित नगद की चोरी कर ली गई। जहां पुलिस सिर्फ अज्ञात आरोपियों के खिलाफ

मामला दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया है। पूरे मामले में चोरो द्वारा दो बड़ी चोरियों को लगातार अंजाम देकर पुलिस को एक बड़ी चुनौती दी है। मामले की जानकारी के अनुसार सारिका पटेल पति रामप्रकाश पटेल उम्र 34 वर्ष ने सुबह लगभग 7 बजे वह अपने घर में ताला बंद कर अपने भाई को राखी बांधने ग्राम रक्शा गई हुई थी, वहीं राखी का त्यौहार होने के कारण उसके मकान में रहने वाले दो किरायेदार भी अपने-अपने घर चले गए थे। जब घर वापस आने पर देखा तो उसके घर के तीन कमरों का ताला टूटा हुआ था, जहां कमरे की अलमारी को तोडक़र अज्ञात चोरो द्वारा अलमारी में रखे सोने एवं चांदी के जेवरात जिसके एक सोने का हार, दो नग सोने के टप्स, दो नग कान का झुमका, एक नग सोने का लॉकेट वा दो नग चांदी की पैजेब, 10 नग चांदी का चूड़ा, दो चांदी की पायल तथा 50 हजार नगद अनुमानित कीमत 7 लाख की चोरी कर ली गई।

पुलिस ने नाबालिक से छेड़छाड़ करने वाले युवक को किया गिरफ्तार

अप.क्र. 392/2024 धारा - 74,75,296,351(2)BNS , 7,8 पाक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज

लाकेश पंचेश्वर। सिटी चीफ।

लालबर्रा, लालबर्रा पुलिस ने नाबालिक 17 वर्षीय युवती से छेड़छाड़ करने पर युवक को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 22.08.24 को 17 वर्षीय पीडिता गांव मे ही हैण्डपम्प में पानी लेने गयी थी जहां रास्ते में आरोपी जितेन्द्र कावडे द्वारा बुरी नियत से बात करने का प्रयास करने लगा तथा मौके पर आए पीड़िता के माता-पिता को भी जान से ख़तम करने की धमकी देने लगा।पीड़िता के द्वारा थाना लालबर्रा में रिपोर्ट करने पर आरोपी के विरुद्ध अप.क्र. 392/2024 धारा - 74,75,296,351(2)BNS , 7,8 पाक्सो एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया । वहीं पुलिस अधीक्षक बालाघाट महोदय श्री नगेन्द्र सिंह ने महिला संबंधी अपराधों की संवेदनशीलता के चलते आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है।

जिसके चलते थाना प्रभारी लालबर्रा एवं उनकी टीम के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विजय डाबर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस वारासिवनी के मार्गदर्शन मे फरार आरोपी जितेन्द्र कावडे को गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की है।जिसे पुलिस पूछताछ उपरांत ज्यूडिशिल रिमांड हेतु मान. न्यायालय पेश करने पर मा. न्यायालय द्वारा जेल निरूद्ध किया गया है । वहीं गिरफ्तार आरोपी में जितेन्द्र पिता श्यामराव कावडे जाति सोनार उम्र 28 साल निवासी वार्ड न. 02 अमोली थाना लालबर्रा को गिरफ्तार किया गया है। वहीं उक्त कार्यवाही में प्रमुख रूप सराहनीय भूमिका में उनि0हेमंत नायक थाना प्रभारी,उनि0 वैशाली उइके,आर.शेषराम बाकड़े,आर.राधेश्याम बघेल सहित अन्य सभी कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अन्तर्गत फसल बीमा अब 25 अगस्त तक करा सकते हैं किसान

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ-2024 के फसल बीमा लाभ के लिए शासन द्वारा अधिसूचित क्षेत्र की अधिसूचित फसलों पर ऋणी, अऋणी एवं डिफाल्टर कृषकों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 16 अगस्त से बढ़ाकर 25 अगस्त 2024 निर्धारित की गई हैं। जो कृषक फसल बीमा कराने से वंचित रह गए हैं वह अपना आवेदन भरकर आधार कार्ड, बही की छायाप्रति, बचत बैंक खाता की छायाप्रति एवं खरीफ के लिए निर्धारित बीमित राशि का 2 प्रतिशत, हेक्टर प्रीमियम के साथ आवेदन संबंधित राष्ट्रीयकृत बैंक, जिला सहकारी बैंक मर्या. या निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर में जमा कराकर फसल बीमा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। किसानों का फसल बीमा संबधित बैंक शाखा द्वारा अनिवार्य रूप से करा दिया जाता है एवं अऋणी कृषक फसल बीमा के लिए बैंक, एमपी ऑनलाइन सीएससी के माध्यम से अपनी फसलों का बीमा करा सकते हैं। अऋणी किसानों को बीमा कराने के लिये आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड (नवीनतम), मोबाइल नम्बर, बैंक पासबुक जिसमें किसान का नाम, खाता संख्या, आईएफएससी कोड स्पष्ट हो, खसरा बी-1 (नवीनतम), खसरा बोई गई फसल का प्रमाणित बुआई प्रमाण पत्र, किरायेदार किसान के लिए किरायानामा का शपथ पत्र के साथ निकटतम सीएससी केन्द्र, बैंक से करा सकते है।

जिले में निर्माणाधीन नहरों की करें बेहतर मॉनिटरिंग कलेक्टर श्री हर्सल पंचोली ने दिए आदेश

कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यों का किया समीक्षा

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ ।

अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में जल संसाधन विभाग के अंतर्गत वर्तमान में संचालित योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि जिले में निर्माणाधीन नहरों की बेहतर मॉनिटरिंग किया जाए। नहरों का निर्माण आधुनिकता के अनुसार इंजीनियरिंग पद्धति से कराया जाए, जिससे भविष्य में किसी प्रकार के परेशानियों का सामना न करना पड़े। कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जिले में ऐसे भी नहरे हैं, जिनके जल का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल रहा है, ऐसे नहरों की लिस्टिंग की जाए तथा एक सप्ताह के भीतर कलेक्टर कार्यालय में प्रेषित किया जाए, जिससे नवीन कार्य योजना बनाकर लोगों तक

जल की सुगम व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों से निर्माणाधीन जलाशयों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि जिले में आठ जलाशय पिपरिया जलाशय, गोहरारी डायवर्सन योजना, दमेहडी जलाशय योजना, झिलमिल जलाशय योजना, समरार जलाशय योजना, सिंगापुर डायवर्सन योजना, बकान जलाशय योजना एवं सीतापुर लिफ्ट इरीगेशन कंपलेक्स का कार्य किया जा रहा है, जिस पर कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य गुणवत्तायुक्त समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए।

बैठक में कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग श्री के.पी. कड़ियाम, अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन विभाग श्री जे.एल. नंदा एवं ए.के. परस्ते सहित जल संसाधन विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकीपॉक्स को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न (पीएचईआईसी) घोषित किया

मंकीपॉक्स बीमारी के नियंत्रण एवं बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा गाइडलाइन जारी

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ।

अनूपपुर, मंकीपॉक्स बीमारी के नियंत्रण एवं बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिशानिर्देश जारी कर दिये गये हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताया गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 11 अगस्त 2024 को मंकीपॉक्स बीमारी को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न (पीएचईआईसी) घोषित किया गया है। मंकीपॉक्स एक वायरल जूनोटिक बीमारी है जो मुख्य रूप से मध्य और पश्चिम अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय वर्षा वन क्षेत्रों में पायी जाती है। मंकीपॉक्स से संक्रमित रोगी को सामान्यत: बुखार, रेश और लिम्फ नोड्स में सूजन पाई जाती है। कुछ रोगियों में चिकित्सकीय जटिलताएं हो सकती हैं। मंकीपॉक्स एक स्व-सीमित संक्रमण है, जिसके लक्षण सामान्यत: 2-4 सप्ताह में समाप्त हो जाते है। गंभीर प्रकरणों में मृत्यु दर 1-10 प्रतिशत है। मंकीपॉक्स वायरस पशुओं से मनुष्य में और मनुष्य से मनुष्य में फैल सकता है। उक्त वायरस रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट या म्यूकस मेम्ब्रेन (आंख, नाक या मुंह) के माध्यम से कटी-फटी त्वचा, शरीर में प्रवेश करता है। संक्रमित

पशु/वन्यपशु से मानव में वायरस का संचरण काटने, खरोंचने, शरीर के तरल पदार्थ एवं घाव से सीधे अथवा अप्रत्यक्ष संपर्क (जैसे दूषित बिस्तर) के माध्यम से हो सकता है। मनुष्य से मनुष्य में संक्रमण/संचरण मुख्य रूप से लार्ज रेस्पिरेटरी ड्रॉपलेट्स के माध्यम से सामान्यत: पर लंबे समय तक निकट संपर्क से होता है। वायरस शरीर के तरल पदार्थ/घाव के सीधे संपर्क के माध्यम से और घाव के साथ अप्रत्यक्ष संपर्क के माध्यम से भी प्रसारित हो सकता है, जैसे संक्रमित व्यक्ति के दूषित कपड़े या लिनन के माध्यम से। मंकीपॉक्स के लक्षण स्मॉल पॉक्स जैसे होते हैं। मंकीपॉक्स का इनक्युबेशन पीरियड आमतौर पर 7-14 दिनों का होता है, लेकिन यह 5-21 दिनों तक हो सकता है और इस अवधि के दौरान व्यक्ति आमतौर पर संक्रामक नहीं होता है। संक्रमित व्यक्ति के चकत्ते दिखने से 1-2 दिन पहले तक रोग फैल सकता है। सभी चकत्तों से पपड़ी गिर न जाए रोगी तब तक संक्रामक बना रह सकता है। स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन अनुसार मंकीपॉक्स बीमारी के संदिग्ध प्रकरणों (रोगियों) को चिन्हांकित स्वास्थ्य सुविधाओं में अलग रखा जाएगा। सभी घावों पर त्वचा की नई परत बन जाने पर या उपचार करने वाले चिकित्सक द्वारा आइसोलेशन समाप्त करने का निर्णय लेने पर ही स्वास्थ्य संस्था से डिस्चार्ज किया जाएगा। मंकीपॉक्स बीमारी का पॉजिटिव प्रकरण पाये जाने पर कांटैक्ट ट्रेसिंग कर विगत 21 दिनों में रोगी के संपर्क में आये व्यक्तियों की पहचान करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

कांग्रेस नेता तरूण बाहेती उठाया बड़ा मुद्दा

सोयाबीन की कम दामों से किसानों को भारी नुकसान,केंद्र सरकार की नीतियां जिम्मेदार

-सोयाबीन समर्थन मूल्य को 6000 रु प्रति क्विंटल करने की मांग

-खराब तेल के आयात से नागरिकों को स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा

नीमच । सोयाबीन फसल के कम दामों से किसान परेशान है। वर्तमान सोयाबीन फसल के दामों से किसानों का लागत मूल्य भी नहीं निकल रहा। केंद्र सरकार की सोयाबीन तेल की आयात नीतियों से किसानों को सोयाबीन के उचित दाम नहीं मिल रहे हैं,जबकि सोयाबीन की उत्पादन लागत 5000 रूपए प्रति क्विंटल पहुंच चुकी है। इधर वर्तमान में मंडी में सोयबीन की स्थिति देखे तो सोयाबीन 3500 -4000 रूपए क्विंटल भाव ही किसानों को मिल रहे हैं, जिसके कारण किसानों को सीधे तौर पर नुकसान पहुंच रहा है। मुख्य बात यह भी है की केंद्र सरकार विदेशों से सोयाबीन का जीएमओ तेल मंगवाकर देश के नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ भी बड़ा खिलवाड़ कर रही है । यह मुद्दा कांग्रेस नेता व जिला पंचायत सदस्य तरूण बाहेती ने किसानों के हक में उठाया है । उन्होंने बताया कि वर्तमान में सोयाबीन की कम हुई कीमतों से किसानों को प्रति वर्ष बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है । खरीफ की मुख्य फसल होने ने बाद भी किसानों की लागत तक नहीं निकल रही। सरकार ने सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 4892 प्रति क्विंटल घोषित कर रखा है जबकि कृषि मंडी में सोयाबीन 3500-4000 रु क्विंटल बिक रही है। बाहेती ने बताया कि कभी 10000 रु क्विंटल तक बिकने वाली सोयाबीन पिछले 10 वर्षों के न्यूनतम भाव पर सोयाबीन बिक रही है जिसका मुख्य कारण केंद्र सरकार की नीतियां है । केंद्र सरकार देश में खपत होने वाली मात्रा का 60 फ?ीसदी सोयाबीन तेल विदेश से मंगवा रही है लेकिन केंद्र सरकार देश के किसानों के हित का ध्यान नहीं रख रही है। सरकार अगर आयात पर टेक्स ही बढ़ा दे तो किसानों को सोयाबीन का उचित दाम मिलने लगेगा। बाहेती ने कहा की इस बात पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है कि जिस तेजी से महंगाई बढी है और कृषि उत्पादन महंगा हुआ है, उस तेजी से कृषि उपज के भाव नहीं बढे और न ही केंद्र सरकार ने एमएसपी की दरों में इजाफा किया है। बाहेती ने कहा कि सोयाबीन की फसल के दाम कम होने के बावजूद भी सोयाबीन तेल के दाम कम नहीं है वह आज भी 100 रुपए किलो बाजार में बिक रहा है जबकि सोयाबीन के भाव में 40 रुपए किलो ही है। बाहेती ने मांग करी की वर्तमान में किसानों को राहत देने के लिए सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सोयाबीन की खरीदी करनी चाहिए ।

महंगाई बढी पर नहीं बढे दाम- श्री बाहेती ने कहा कि बीते 11 साल में महंगाई दो गुना हो चुकी है,जिसका असर सीधे तौर पर सोयाबीन समेत अन्य कृषि जिंसों के उत्पादन पर पड़ा है। पिछले 10 वर्ष पूर्व सोयाबीन के दाम 4500 रु क्विंटल थे और लागत 2 हजार रु क्विंटल थी। श्री बाहेती ने बताया कि बीते 11 साल में डीजल के दामों में 220 प्रतिशत वृद्धि हुई है। 42 रु से 92 रूपए डीजल के दाम पहुंच चुके हैं,खाद के भाव 600 से 1450 रूपए हो चुके हैं। कीटनाशक के दामों में 250 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हर्बिसाइड के भाव में 200 प्रतिशत की वृद्धि हुई, पर सोयाबीन के दाम बीते 11-12 साल में बढने के बजाए नीचे आए हैं। वहीं केंद्र सरकार ने सोयाबीन के समर्थन मूल्य के दाम भी भी नहीं बढ़ाऐ है।

6 हजार रूपए क्विंटल मिले सोयाबीन के दाम- श्री बाहेती ने कहा कि केंद्र सरकार को सोयाबीन का समर्थन मूल्य 4892 रु प्रति क्विंटल से बढाकर 6000 रु प्रति क्विंटल करना चाहिए जिससे किसानों को राहत मिले। बाहेती ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी कहा था की सोयाबीन की एमएसपी 6 हजार रूपए प्रति क्विंटल होना चाहिए। अब जब वह सरकार में है तो शीघ्र किसानों को राहत प्रदान करने के लिए 6000 समर्थन मूल्य घोषित करें। श्री बाहेती ने कहा कि सोयाबीन उपज के दाम गिरने का सबसे बड़ा कारण केंद्र सरकार ने पाम आयल की इंपोर्ट ड्यूटी हटा दी है,इससे देश में सोयाबीन तेल के दामों में भी गिरावट दर्ज हुई जिससे पूरी तरह किसानों को नुकसान हो रहा है।

केंद्र सरकार कर रही है देश की जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़

कांग्रेस नेता व जिला पंचायत सदस्य तरूणण बाहेती ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार सोयाबीन तेल के नाम पर पूरे देश के नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ बड़ा खिलवाड़ कर रही है। केंद्र सरकार अमेरिका एवं यूरोप से सोयाबीन के बम्पर उत्पादन के लिए तैयार हाईब्रीड जीएमओ बीज से उत्पादन की हुई फसल का सोयाबीन तेल भारत में आयात कर रही है, जबकि इसी जीएमओ सोयाबीन फसल का तेल अमेरिका और यूरोप में खाने पर पूर्ण प्रतिबंध है क्योंकि जीएमओ सोयाबीन तेल स्वास्थ्य के लिए घातक है और इससे लिवर कैंसर, हार्ड डिजिज जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा रहता है और यही अमेरिका यूरोप से आया हुआ जीएमओ सोयाबीन तेल हम खाद्य पदार्थ के रूप में खा रहे हैं । जो हमारी खपत का 60 फिसदी सरकार आयात कर रही है । बाहेती ने कहा कि कोई भी व्यक्ति इंटरनेट पर जीएमओ तेल खाने के नुकसान की जानकारी सर्च करें तो जानकारी पाकर आंखें खुली रह जाएगी की जिस तेल को विदेश से मंगवाकर केंद्र सरकार हमें खिला रही है वह तेल हमारे लिए कितना नुकसानदायक है। जबकि भारत में किसानों का तैयार किया हुआ देशी सोयाबीन बीज का तेल कभी नुकसानदायक नहीं होता । अमेरिका और ब्राजील में खाने के लिए सोयाबीन तेल का अलग से उत्पादन होता है जो जीएमओ बीज का नहीं होता है । कुल मिलाकर हम जीएमओ सोयाबीन बीज का खराब तेल हम खा रहे हैं और वह अच्छा तेल खा रहे हैं । बाहेती ने कहा की सरकार सोयाबीन तेल आयात पर पूर्ण प्रतिबंध कर किसानों को राहत प्रदान करें एवं वर्तमान में समर्थन मूल्य पर सोयाबीन की सरकारी खरीद करें।

जिले के विभिन्न क्लबों ने अवैध चुनाव के विरोध में राजस्थान फुटबाल संघ के अध्यक्ष एव सचिव को सौंपा ज्ञापन

शंभूपुरा। जिला फुटबाल संघ के विवाद को लेकर जिले के कई राष्ट्रीय खिलाड़ियों और विभिन्न क्लबों के प्रतिनिधियों ने राजस्थान फुटबाल संघ के अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह जसोल एवं राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव श्री दिलीप सिंह शेखावत से मुलाकात कर अवैध चुनाव की जाँच रिपोर्ट देने और वर्तमान जिला फुटबाल संघ की सदस्यता निरस्त करने को लेकर ज्ञापन सौंपा।विभिन्न जिला फुटबाल संघ के क्लबों के पदाधिकारियों ने अपनी मुलाकात के दौरान उन्हें बताया कि जिला फुटबाल संघ की विवादित तदर्थ समिति द्वारा संविधान के विरूद्ध जाकर अवैध चुनाव सम्पन्न कराये थे, जिसकी जानकारी पूर्व में भी राजस्थान फुटबाल संघ को दी गई थी। वहीं इस संबंध में राजस्थान फुटबाल संघ ने इसकी जाँच के लिए कमेटी गठित कर जाँच भी कराई थी लेकिन इस पर कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। इस मुलाकात के दौरान प्रदेश अध्यक्ष श्री मानवेन्द्र सिंह ने समस्त पदाधिकारियों एवं राष्ट्रीय स्तर के फुटबाल खिलाड़ियों को पूरे प्रकरण की जाँच कर न्याय का आश्वासन दिया है। गौरतलब है कि तत्कालीन समय में तदर्थ समिति ने 13 क्लबों के विरूद्ध 22 नये क्लबों का गठन कर दिया था और फर्जी चुनाव करा लिये थे, जिसे लेकर खिलाड़ियों में आक्रोश व्याप्त है और यही कारण है कि पिछले 2-3 वर्षों से जिले में फुटबाल का स्तर लगातार गिरता जा रहा है।इस मुलाकात के दौरान सनराईज क्लब के शाहीद हुसैन, यूनिटी क्लब के जेपी दशोरा, इलेवन स्टार क्लब के तालिद मोहम्मद, अब्दूला, मोहम्मद रजा, युवराज सिंह, विक्रमसिंह, गोविन्द, सिराज मोहम्मद, फरीद

मोहम्मद, राहूल कीर, कमल सिंह, जाहीद, हिमांशु सहित विभिन्न क्लबों के पदाधिकारी और खिलाड़ियों के करीब तीन दर्ज से अधिक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत

मंडला

मंडला। जिले के थाना मोहगाँव अंतर्गत ग्राम पिपरिया में दिनांक 23/8/2024 दिन शुक्रवार को एक व्यक्ति आकाशीय बिजली गिरने से मौके पर मौत हो गया। मृतक किशन लाल विश्वकर्मा पिता नंद लाल विश्वकर्मा उम्र लगभग 60 वर्ष ग्राम पिपरिया की निवासी है। बता दें कि मृतक बकरी चराने गया हुआ था तभी शाम को 4ः45 बजे के लगभग बिना बारिश के गरज चमक हुआ उसी दौरान खेतों के पडत भूमि में बकरी चरा रहे किशन विश्वकर्मा के ऊपर आकाशीय बिजली गिर जाने से मौके पर ही मौत हो गया। राहगीरों ने मृतक को मृत अवस्था में पाया उन्होंने मृतक को पहचान लिया और तत्काल परिवार वालों जानकारी दिये। परिवार जनों ने मोहगाँव पुलिस को घटना की जानकारी दिये तत्काल मोहगाँव पुलिस स्टाफ घटना स्थल पर पहुँच कर शव का पंचनानामा बना कर पोस्ट मार्डम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मोहगाँव भेज दिया गया। देर शाम हो जाने के कारण दिनांक 24/8/2024 दिन शनिवार को मृतक का पोस्ट मार्डम होगा।

पांच सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी

शंभूपुरा।।राजकीय पीजी महाविद्यालय खींवसर में छात्र नेता मुकेश ईनाणिया के नेतृत्व में भूख हड़ताल चौथे दिन भी जारी रही। मुकेश ईनाणिया ने बताया कि चार दिन से भूख हड़ताल पर बैठे हैं अभी तक कोई भी सकारात्मक आश्वासन नहीं मिला है अधिकारी ओर सरकार के प्रतिनिधि ने हमारी मांगे नहीं मानी तो जल्द ही उग्र आंदोलन करेंगे उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। इसलिए समय रहते हमारी मांगे पूरी की जाए। इस दौरान नरेश मुण्डल, सुखराम कालीरावणा, कुलदीप सैन, महेंद्र ताडा, महेंद्र, मुरली, शेखर, हनुमान जोया, भरत कटाणिया, कृष्ण उपाध्याय निरमा कांकड़ रेखा कांकड़, अनिता डावला, भिंकी, विमला आदि छात्र मौजूद रहे।

राठौड़ (मचुंडिया)परिवार बाग जिला धार के पगड़ी कार्यक्रम में हुए रक्तदान शिविर में लगभग 50यूनिट ब्लड एकत्र हुआ

बाग - वरिष्ठ समाजसेवी स्व. श्री भगवान चंपालालजी राठौड़ बाग की पावन स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन जिसमें 50 यूनिट ब्लड एकत्र हुआ टीम रक्तदुत समिति के सदस्य हितेश राठौड़ और कपिल राठौड़ ने बताया कि स्व.भगवान जी राठौड़ बाग पगड़ी कार्यक्रम में श्रद्धांजलि स्वरुप रक्तदान शिविर का आयोजन जिला अस्पताल अलीराजपुर ब्लड बैंक स्टॉफ द्वारा शासन के के नियमों का पालन करते हुए किया गया जिसमें परिवार के सदस्यों सहित

50 लोगों ने अपना अमूल्य रक्तदान किया जिसमें मातृशक्ति की अहम भूमिका रही कुल 15 मातृशक्ति ने रक्तदान किया तथा 35 पुरुष ने रक्तदान किया अधिकतर ने पहली बार रक्तदान किया। रक्तदुत समिति सदस्य हितेश राठौड़,कपिल राठौड़ ने बताया आये दिन विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों को जिला भोज अस्पताल जिला धार और अलीराजपुर जिला अस्पताल में रक्त की बहुत आवश्यकता होती रहती है रक्त की कमी के कारण मरीजों को काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। रक्तदुत हितेश राठौड़ ने पगड़ी रस्म में मानव सेवार्थ के लिए परिवार को इस आयोजन करने के लिए प्रेरित किया। बता दें यह इंदौर संभाग में पगड़ी रस्म में 78 वा राठौड़ समाज का 42 वा रक्तदान शिविर आयोजित हुआ है जिसमें धार जिले में राठौर समाज का 16 वा रक्तदान शिविर है जो पगड़ी रस्म में स्मृति स्वरूप आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राठौर प्रयास ब्लड डोनेशन ग्रुप अलीराजपुर एवं टीम रक्तदूत पश्चिम निमाड़ का विशेष सहयोग रहा ।स्व.श्री भगवान चंपालालजी राठौड़ की बेटी, नाती गौरव राठौड़, कपिल राठौड़ और परिवारजनों ने सभी रक्त दाताओं का आभार व्यक्त किया एवं प्रशस्ति पत्र व सम्मानित किया । कार्यक्रम में आये सभी लोगो से रक्तदान एवं नेत्रदान करने का आह्वान एवं निवेदन किया गया ।।

कुक्षी एसडीएम ने बाग- टाण्डा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया

रात्रि डीवटी करने वाली महिला कर्मचारी के पुख्ता सुरक्षा के निर्देश दिए सीबीएमओ को

बाग - कुक्षी एसडीएम ने 21अगस्त 2024 बुधवार को बाग टाण्डा के सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र का औचक निरीक्षण किया । इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में रात्रि कालिन डीवटी दे रही महिला अधिकारी कर्मचारियों के पुख्ता सुरक्षा के संबंध में निर्देश सीबीएमओ को दिए । ?निरिक्षण के दौरान एसडीएम प्रमोद गुर्जर के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र के प्रत्येक रुम में जाकर वहां की व्यवस्था देखी मेडीसन के सबंध में जानकारी ली रात्री में डीवटी पर उपस्थित महिला अधिकारी कर्मचारियों से आने जाने में यहां रात्रि को रहने में कोई परेशानी तो नहीं

9 दिवसीय संभागीय तिरंगा यात्रा का हुआ भव्य समापन उमड़ाः जन सैलाब

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ ।

अनुपपुर, कोतमा जेपीजी मित्र मंडल द्वारा आयोजित संपूर्ण संभाग में 9 दिन से चल रही विशाल तिरंगा यात्रा का कोतमा नगर में भव्य समापन हुआ, जहां मध्य प्रदेश कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त श्रीमान रवि करण साहू शामिल हुए, कार्यक्रम में तिरंगा यात्रा के संयोजक जेपी साहू कैबिनेट मंत्री रविकरण साहू अजय श्रॉफ ,एवं जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया, कार्यक्रम का शुभारंभ तिरंगा यात्रा अटल चौपाटी से नगर भ्रमण करते हुए हजारों लोग शामिल हुए अटल चौपाटी मैं तिरंगा दौड़ के सभी प्रतिभागियों का सम्मान किया गया

9 दिन से तिरंगे यात्रा में चलने वाले संयोजक के रूप में जेपी साहू बाल्मिक प्रसाद एवं उनकी टीम का भव स्वागत हुआ नगर में जगह-जगह पुष्प वर्षा एवं भारत माता की वंदना की गई तिरंगा यात्रा संपूर्ण संभाग में निकलते हुए नौरोजाबाद उमरिया मानपुर व्यवहारी जयसिंहनगर खानोदी शहडोल बुढार धनपुरी बकहो केसवाही कोतमा बिजुरी डोला राजनगर इत्यादि 101 स्थान में अभूतपूर्व स्वागत प्राप्त करते हुए यात्रा 23 अगस्त को कोतमा पहुंची जहां लोगों ने यात्रा में शामिल होकर देशभक्ति की महत्व को समझते हुए एकता के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए उक्त कार्यक्रम जेपीजी मित्र मंडल परिवार के माध्यम संपन्न हुआ

कार्यक्रम में शहर के समस्त जन प्रतिनिधि शामिल हुए तिरंगा यात्रा के संभागीय संयोजक जेपी ने कहा प्रतिवर्ष यह तिरंगा यात्रा संपूर्ण संभाग में निकालती रहेगी जिसके लिए हम प्रतिबद्ध हैं 15 अगस्त एवं 26 जनवरी

आजादी के पर्व पर हर घर में भारत माता तक तस्वीर तिरंगा ध्वज एवं रंगोली बनाना चाहिए गौ माता को सड़कों पर खुला नहीं छोड़ना चाहिए जिससे हमारे गोधन का नुकसान हो रहा है पर्यावरण की रक्षा एवं गाय संरक्षण व देशभक्ति प्रेरित तिरंगा यात्रा का यह द्वितीय वर्ष है आगामी वर्ष में भी कार्यक्रम और जन जागरण हेतु निकाली जाएगी

वहीं तिरंगा यात्रा के समापन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रवीकरण कैबिनेट मंत्री जी द्वारा कहा गया की मां नर्मदा की पावन भूमि जिला अनूपपुर में में आकर बहुत खुशी महसूस कर रहा हूं और तिरंगा यात्रा के समापन में जिस तरह से लोगों को मैंने देखा काबिले तारीफ है और मैं चाहूंगा कि हर साल तिरंगा यात्रा का समापन नगर में होना चाहिए कार्यक्रम में समस्त जन प्रतिनिधि ने अपनी बात को रखते हुए तिरंगा यात्रा की प्रशंसा करते हुए आगे भी कार्यक्रम में सहयोग देने हेतु प्रती संकल्पित हुए आयोजन में कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप सरपंच संघ के अध्यक्ष सूरज अगरिया,कैबनेट दर्जा प्राप्त मंत्री रविकरण साहू,तिरंगा यात्रा के संयोजक जेपी साहू,भाजपा जिला उपाध्यक्ष हनुमान गर्ग,नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ,अजय ताम्रकार,दीपेश जैन, सरपंच संघ के उपाध्यक्ष कमला सिंह सरपंच,सचिव राकेश तोमर,संतोष बर्मन,बबली पाव,देववती सिंह सरपंच पथरौड़ी,कंचन सिंह सरपंच,किरण सिंह,खिलावन सिंह पिपरिया सरपंच, विरन सिंह सरपंच उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन सचिन पांडे द्वारा की गई।

राजनाथ सिंह की अमेरिका यात्रा

रणनीतिक साझेदारी में नए आयाम, मेक इन इंडिया को मिलेगी नई रफ्तार

वाशिंगटन। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन से मुलाकात कर भारत और अमेरिका के आपसी हितों के ''अहम रणनीतिक मामलों पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। इससे एक दिन पहले ही भारत और अमेरिका ने अपनी वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए दो प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। सिंह दोनों देशों के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अमेरिका की यात्रा पर यहां पहुंचे हैं। सिंह ने शुक्रवार को अपनी बैठक के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर लिखा, ''अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से मिलकर और आपसी हित के अहम रणनीतिक मामलों पर दृष्टिकोण साझा करके खुशी हुई।

उन्होंने प्रमुख अमेरिकी रक्षा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ भी ''सार्थक बातचीत की और उन्हें भारतीय भागीदारों के साथ काम करने के लिए आमंत्रित किया ताकि 'मेक इन इंडिया कार्यक्रम में तेजी लाई जा सके। सिंह ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, भारत अमेरिका रणनीतिक साझेदारी मंच द्वारा आयोजित गोलमेज सम्मेलन में रक्षा उद्योग की अग्रणी अमेरिकी कंपनियों के साथ सार्थक बातचीत हुई। उन्हें भारतीय भागीदारों के साथ काम करने के लिए आमंत्रित किया ताकि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में हमारे 'मेक इन इंडिया कार्यक्रम में तेजी लाई जा सके। भारतीय और अमेरिकी कंपनियां साथ मिलकर दुनिया के लिए सह-विकास और सह-उत्पादन करेंगी। USISPF ने 'एक्स पर लिखा, USISPF बोर्ड के सदस्यों और रक्षा उद्योग के नेताओं के साथ एक गोलमेज सम्मेलन में रक्षा मंत्री ने अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों, इसमें अभूतपूर्व वृद्धि तथा इस बात पर चर्चा की कि कैसे रक्षा क्षेत्र एवं अमेरिकी कंपनियों का निवेश भारत की विकास गाथा और 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभाएंगे। इसमें कहा गया है कि सिंह ने '' रक्षा गतिविधियों के माध्यम से रणनीतिक साझेदारी और रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश अघी ने कहा कि सिंह ने ''रक्षा संबंधों और रणनीतिक संबंधों के विकास पर बात की, जिसमें निजी क्षेत्र अब साइबर, ड्रोन, एआई, अंतरिक्ष और क्वांटम जैसी महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी के नए क्षेत्रों में गहन रक्षा तालमेल स्थापित करने में अहम भूमिका निभाता है। सिंह ने इससे एक दिन पहले शुक्रवार को अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात कर दोनों देशों के बीच मौजूदा रक्षा सहयोग गतिविधियों की समीक्षा की। सिंह ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''मेरे प्रिय मित्र अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के साथ शानदार बैठक हुई। हमने मौजूदा रक्षा सहयोग गतिविधियों की समीक्षा की तथा इसे प्रगाढ़ बनाने के तरीकों पर चर्चा की। आपूर्ति सुरक्षा व्यवस्था पर हस्ताक्षर तथा प्रमुख अमेरिकी कमान में भारतीय अधिकारियों की तैनाती के लिए समझौता ऐतिहासिक घटनाक्रम हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खात्मे की
खतरनाक साजिश का पर्दाफाश

जेलब्रेक से जुड़ा गहरा कनैक्शन, रौंगटे खड़े कर देगी सच्चाई

ढाका। बांग्लादेश में हाल ही में कट्टरपंथी ताकतों ने हिंसा और आतंक का एक नया अध्याय लिख दिया है। बांग्लादेश में हाल ही में हिंदुओं पर हमले और आतंकवादियों को छुड़ाने के लिए कट्टरपंथी ताकतों द्वारा एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश हुआ है। सतखीरा, शेरपुर और गाजीपुर जैसी जगहों पर जेलों पर हमले कर आतंकवादियों को रिहा किया गया, जिससे देश में अराजकता और हिंसा का माहौल पैदा हो गया । जमात-ए-इस्लामी के समर्थन से ड्डस्छ प्रशिक्षित कैडरों ने देश की कई जेलों पर सुनियोजित हमले किए, जिनका उद्देश्य जमात उल मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) और हरकतुल जिहाद अल इस्लामी (हूजी) जैसे आतंकी संगठनों के आतंकवादियों को रिहा करना था। अंतरिम सरकार के गठन से पहले, सैन्य शासकों ने आधिकारिक तौर पर 2,200 से अधिक कैदियों को रिहा किया, जिनमें कई कट्टरपंथी और उनके समर्थक भी शामिल थे। लेकिन जेल पर हमलों के पीछे एक गहरी साजिश थी। साजिशकर्ताओं ने आतंकवादियों की रिहाई को अंतरराष्ट्रीय जगत की नजरों से छिपाने के लिए हमलों का सहारा लिया, ताकि उनकी छवि को नुकसान न पहुंचे।

इन कट्टरपंथियों का उद्देश्य केवल अंतरिम सरकार के गठन तक सीमित नहीं है। वे बांग्लादेश में इस्लामी शासन स्थापित करना चाहते हैं और इसी मकसद से हिंदुओं पर हमले बढ़ाए जा रहे हैं। मूर्तियों को तोड़ा जा रहा है और हिंदुओं को देश छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुष्प्रचार से दबाने की कोशिश की जा रही है ताकि विदेशी सहायता बंद न हो। अल्पसंख्यकों को हमलों की सूचना न देने के लिए भी दबाव डाला जा रहा है। बांग्लादेश में कट्टरपंथियों की इस अराजकता ने देश को एक गंभीर संकट में डाल दिया है। जेल से रिहा किए गए उग्रवादियों का इस्तेमाल मानवाधिकारों के हनन के लिए किया जा रहा है, और वे अपने समर्थकों और सहयोगियों के साथ मिलकर देश में अशांति और हिंसा फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

नरसिंगडी जेल पर बड़ा हमला

23 जुलाई को नरसिंगडी जिला जेल पर किए गए हमले में 826 कैदियों को छुड़ा लिया गया, जिनमें नौ खतरनाक आतंकवादी शामिल थे। हमलावरों ने जेल के शस्त्रागार से 85 आग्नेयास्त्र और 8,000 गोलियां भी लूट लीं। इसके बाद जेल के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों को जला दिया गया। यह हमला जमात-ए-इस्लामी और ड्डस्छ के साथ मिलकर रची गई साजिश का हिस्सा था। हमले के बाद देश में हिंसा और आगजनी की घटनाएं बढ़ गईं, जिनका मुख्य निशाना हिंदू समुदाय बना।

सतखीरा और शेरपुर जेलों पर भी हमले

सतखीरा और शेरपुर जिलों की जेलों पर भी इसी तरह के हमले किए गए। सतखीरा में, शाम होते ही जेल की लाइटें बंद कर दी गईं और आतंकवादियों को छुड़ाने के लिए कैदियों को रिहा कर दिया गया।

सतखीरा के पुलिस अधीक्षक मतिउर रहमान सिद्दीकी के अनुसार, हमलावरों ने जेल के साथ-साथ सतखीरा सदर पुलिस स्टेशन, पुलिस अधीक्षक के आवास और जिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संसद पर भी हमला किया और आग लगा दी। शेरपुर में भी दिन के उजाले में जेल पर हमला किया गया, जहां जमात और उसके समर्थकों ने लाठी-डंडों और देसी हथियारों के साथ मार्च किया और 500 से अधिक कैदियों को भागने में मदद की।

पुलिस और सेना की मिलीभगत का आरोप

इन हमलों के दौरान पुलिस और सेना की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि आवामी लीग के नेताओं द्वारा दी गई जानकारी के बावजूद, सेना ने जेलों पर हो रहे हमलों को रोकने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इस बीच, कट्टरपंथियों ने पुलिसकर्मियों को निशाना बनाया और पुलिस स्टेशन में घुसकर कई पुलिसकर्मियों की हत्या की। कई स्थानों पर पुलिस की इमारतों को जला दिया गया। यह संदेह है कि पुलिस बल के कुछ हिस्से ने उकसावे के जरिए स्थिति को और अधिक बिगाड़ा।

गाजीपुर जेल से कैदियों को छुड़ाने की कोशिशें

गाजीपुर के काशिमपुर जेल में भी कई बार कैदियों को छुड़ाने की कोशिशें हो चुकी हैं। इस जेल में कई खतरनाक उग्रवादी बंद हैं, और कट्टरपंथियों ने जेल पर कई हमले किए, जिसमें कई आतंकवादी भागने में सफल रहे। पुलिस ने इसे स्वीकार किया है कि जेल की सुरक्षा का जिम्मा सेना के पास होने के बावजूद, हमलावरों ने कई बार सफलतापूर्वक हमले किए और जेल से आतंकियों को छुड़ा लिया।

जेलब्रेक के बाद हिंदुओं पर बढ़े हमले

जेलब्रेक की इन घटनाओं के बाद हिंदू समुदाय पर हमले और तेज हो गए।

आतंकवादियों ने जेल से लूटे गए हथियारों का इस्तेमाल कर हिंदुओं को निशाना बनाया। ये हमले बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में फैले और व्यापक हिंसा और अराजकता का कारण बने।

हालांकि सरकार ने नरसिंगडी जेल के अधीक्षक अब्दुल कलाम आजाद और जेलर कमरुल इस्लाम को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है, लेकिन जमात समर्थक सरकार के हाथों में उन्हें फिर से बड़ी जिम्मेदारियां मिलने की संभावना जताई जा रही है।

इस तरह की साजिशों से बांग्लादेश में कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जमात और आईएसआई द्वारा प्रायोजित इस हिंसा ने बांग्लादेश की सुरक्षा और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया है।

मौलाना का बहन से निकाह के फायदों की बात पर सोशल मीडिया पर बवाल

कमेंट में यूजर्स ने जमकर ली क्लास

नेशनल डेस्क। सोशल मीडिया पर एक मौलाना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने सुनने वालों को बहन से शादी के संभावित फायदों के बारे में बता रहे हैं। इस वीडियो ने विभिन्न प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया है और लोगों ने मौलाना के बयान पर तीखी टिप्पणियां की हैं। वीडियो में मौलाना के विचार और इस पर सोशल मीडिया यूजर्स की प्रतिक्रियाएं आपको सोचने पर मजबूर कर सकती हैं।

मौलाना ने दिया ऐसा बयान

वीडियो में मौलाना यह कहते नजर आ रहे हैं कि बहन से शादी करना एक समझदारी भरी बात है। उन्होंने तर्क दिया कि बहन अपने भाई की आदतों, गुस्से और जरूरतों को अच्छे से जानती है। वह यह भी जानती है कि भाई को किस तरह खुश किया जा सकता है। मौलाना ने यह भी कहा कि बहन के साथ शादी करने से बेहतर है कि भाई अपनी बहन को किसी अन्य के हाथों में दे और फिर किसी और की बहन से शादी करे। मौलाना ने उदाहरण के तौर पर कहा कि अगर बहन अपने भाई के लिए खाना बना सकती है, उसकी दवा का ध्यान रख सकती है और उसे आराम दे सकती है, तो उसे शादी के लिए क्यों नहीं चुना जा सकता? उन्होंने यह भी कहा कि यह एक बड़ी बेवकूफी है कि किसी खूबसूरत बहन की शादी किसी और के साथ की जाए, जबकि खुद के घर में किसी अन्य को ले आया जाए।

क्या है वीडियो की सचाई

वीडियो के अंत में मौलाना ने स्पष्ट किया कि उनका बयान किसी किताब के संदर्भ में था और उन्होंने शरीयत के अनुसार बहन से शादी को हराम करार दिया। इसका मतलब है कि उनके द्वारा कही गई बातें केवल उन किताबों का संदर्भ थीं और शरीयत में बहन से शादी करना कानूनन सही नहीं है।

सोशल मीडिया पर मिली प्रतिक्रियाएं

इस वीडियो के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। कई यूजर्स ने मौलाना के बयान को भ्रामक और अपमानजनक मानते हुए आलोचना की है। एक यूजर ने टिप्पणी की, जब कुछ लोग कहते थे कि इस्लाम में भाई-बहन के बीच विवाह संभव है, तो यह एक अफवाह की तरह लगता था। लेकिन इस मौलवी ने सिद्ध कर दिया कि यह धारणा पूरी तरह गलत है। इसके विपरीत, कुछ यूजर्स ने मौलाना के बयान को ध्यान आकर्षित करने वाला मानते हुए टिप्पणी की है कि यह मामला शरीयत की व्याख्या को लेकर भ्रमित करने वाला हो सकता है। यह वीडियो मौलाना के विचारों और उन पर बनी विवादास्पद चर्चाओं की गहराई को उजागर करता है। जबकि वीडियो की पूरी सचाई सामने आ गई है कि बहन से शादी शरीयत में हराम है, इस वीडियो ने समाज में चर्चा और बहस को जन्म दिया है। यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि सामाजिक और धार्मिक मुद्दों पर खुली बातचीत और समझ की कितनी आवश्यकता है।

दिल्ली के एक मदरसे में पांच साल के लड़के की संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

नेशनल डेस्क. उत्तरपूर्वी दिल्ली के दयालपुर में एक मदरसे में पढ़ रहे पांच वर्षीय लड़के की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को इस बारे में जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात लगभग नौ बजकर 52 मिनट पर ब्रजपुरी मदरसे में लड़के की मौत की सूचना मिली। लड़के की गर्दन, पेट और कमर पर फफोले पाए गए थे। शुक्रवार शाम साढ़े छह बजे लड़के की मां को सूचित किया गया कि उसका बेटा बीमार है। वह उसे ब्रजपुरी के एक निजी अस्पताल ले गईं, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद महिला अपने बेटे के शव के साथ मदरसा लौटीं। वहां बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और उन्होंने सड़क पर शव रखकर मदरसा प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जीटीबी अस्पताल के मुर्दाघर ले जाया गया। पुलिस ने मामले की उचित जांच का आश्वासन दिया, जिसके बाद लोग वहां से हटे। पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती लड़के की मां ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा पिछले पांच महीने से इस मदरसे में पढ़ रहा था। बच्चे के पिता उत्तर प्रदेश में रहते हैं और महीने में एक बार दिल्ली आते हैं। दंपति के दो और बच्चे भी हैं— एक 10 साल का लड़का और एक आठ साल की लड़की, जो अपनी मां के साथ रहती हैं।

पुलिस ने एक बयान में कहा कि शव की प्रारंभिक जांच में गर्दन, पेट और कमर पर बड़ी संख्या में छाले पाए गए हैं। हाजी दीन मोहम्मद मदरसा का प्राचार्य है, जहां करीब 250 लड़के पढ़ते हैं, जिनमें से 150 मुख्यत: उत्तर प्रदेश से हैं। पोस्टमार्टम के बाद और जानकारियां सामने आएंगी और मामले की जांच जारी है।

जर्मनी में उत्सव दौरान चाकू से अंधाधुंध हमला, 3 लोगों की मौत व 5 गंभीर घायल

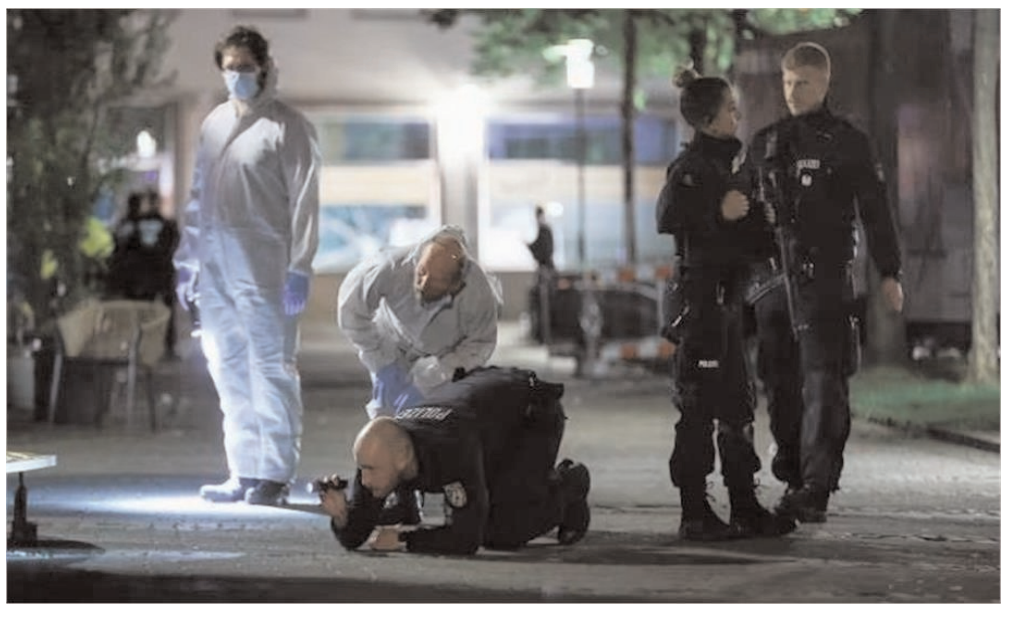

नेशनल डेस्क। जर्मनी के सोलिंगन शहर में एक उत्सव के दौरान शुक्रवार देर रात एक हमलावर ने चाकू से हमला कर तीन लोगों की हत्या कर दी और कम से कम पांच लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों ने रात साढ़े नौ बजे के तुरंत बाद उसे सूचित किया कि एक अज्ञात अपराधी ने फ्रोंहोफ चौराहे पर चाकू से अंधाधुंध हमला कर कई लोगों को घायल कर दिया है। उसने बताया कि हमलावर फरार है और पुलिस के पास उसके बारे में अभी बहुत कम जानकारी है। पुलिस के अनुसार, इस हमले को संभवत- केवल एक व्यक्ति ने अंजाम दिया।

उत्सव के आयोजकों में से एक फिलिप मुलर ने मंच पर आकर लोगों से कहा, ''शांत रहकर घटनास्थल से जाएं, कृपया सतर्क रहें क्योंकि दुर्भाग्य से अपराधी पकड़ा नहीं गया है। उन्होंने कहा कि हमलावर ने कई लोगों को घायल कर दिया है। पुलिस ने बताया कि हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए लेकिन क्षेत्र के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी हर्बर्ट रूल ने शनिवार तड़के घटनास्थल का दौरा करते समय बताया कि छह लोग घायल हुए हैं।'नॉर्थ राइन-वेस्टफेलिया राय के गृहमंत्री रेउल ने कहा, ''हममें से कोई नहीं जानता कि हमला क्यों किया गया। उन्होंने कहा, ''मैं अभी हमले के मकसद के बारे में कुछ नहीं कह सकता और यह स्पष्ट नहीं है कि हमलावर कौन था।

मेयर टिम कुर्जबैक ने फेसबुक पर लिखा, ''आज शाम, सोलिंगन में हम सभी सदमे में हैं। हम सभी अपने शहर की वर्षगांठ साथ मनाना चाहते थे और अब हम लोगों के हताहत होने का शोक मना रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे शहर पर हमला होने से मेरा दिल बहुत दुखी है। शहर की 650वीं वर्षगांठ के अवसर पर ''विविधता उत्सव शुक्रवार को शुरू हुआ था और इसका आयोजन रविवार तक होना था। हमले के बाद शेष उत्सव कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है। जर्मनी में चाकू से हमलों की घटनाओं में हालिया बढ़ोतरी चिंता का विषय बन गई है। स्वयं को ''राजनीतिक इस्लाम का विरोधी बताने वाले एक समूह के सदस्यों पर एक अफगान प्रवासी द्वारा मई में चाकू से किए गए हमले में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569